Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-218 ● रायपुर, गुरुवार 07 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद कृष्ण पक्ष
पक्ष-अष्टमी

3

सेन्दूरी सरपंच के द्वारा कर्मा तिहार के लिए नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया गया

5

सूखाग्रस्त घोषित कर मुआवजा की मांग को लेकर क्षेत्र के किसान ने सौपे ज्ञापन

7

सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का पालन सुनिश्चित करें- सांसद मंडावी

सुविचार

दूसरो को जो लगे कि यह काम आप कर ही नहीं सकते, उन्हें भी पूरा कर देने का साहस ही जुनून दिखाता है।
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

असम में खुद को पुलिसकर्मी बताने वाले 2 गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के मोरीगांव जिले में खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान उमर फारूक और रसीदुल इस्लाम के रूप में की गई। उन्हें बीती देर रात चलाए गए एक अभियान के दौरान जिले के मोइराबारी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लोचनाबोरी गांव स्थित एक दुकान से पकड़ा गया। पुलिस ने कई आपत्तिजनक वस्तुएं जब्त की है। जिनका उपयोग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर वाली फर्जी पुलिस सत्यापन रिपोर्ट बनाने में किया जाता था। मोरीगांव के पुलिस अधीक्षक, हेमंत कुमार दास ने बताया, आरोपी बहुत पहले से फर्जी दस्तावेज बनाकर इस अवैध गतिविधि को चला रहे थे, वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि वे साइबर संबंधी अपराधों में भी शामिल थे। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और आगे की जांच जारी है।

झारखंड में लंपी वायरस का कहर, एक हजार से ज्यादा मवेशियों की मौत

रांची। लंपी वायरस से फैलने वाली पशुओं की खतरनाक बीमारी झारखंड में कहर बरपा रही है। राज्य के चतरा, गढ़वा, पलामू, लातेहार, साहिबगंज, गोड्डा, दुमका, गुमला, रामगढ़, हजारीबाग में पिछले एक हफ्ते में बड़ी संख्या में पशुओं की मौत हो गई है। विभिन्न जिलों से मिली सूचनाओं के मुताबिक, लगभग एक हजार से ज्यादा मवेशियों की जान चली गई है। सूखे के बाद अब पशुओं में फैली इस बीमारी से किसानों और पशुपालकों के बीच हाहाकार है। पशुपालन विभाग ने चतरा, गोड्डा, साहिबगंज, गुमला, लोहरदगा आदि जिलों में बीमार पशुओं में इससे मिलते-जुलते लक्षण पाये गये हैं। इसके बाद सभी जिलों में पशुओं के लिए टीकाकरण का अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन शिकायत मिल रही है कि पर्याप्त संख्या में टीकों की उपलब्धता नहीं है। इस वायरस के खतरे को देखते हुए विभाग के उच्चाधिकारियों ने सभी जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

सनातन धर्म पर तमिलनाडु के मंत्री की टिप्पणी ममता को नापसंद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को सनातन धर्म पर तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की हालिया टिप्पणियों को खारिज कर दिया और कहा कि सभी को ऐसी कोई भी टिप्पणी करने से बचना चाहिए जो किसी भी धर्म के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा, मैं इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट नहीं हूं कि उन्होंने ऐसी टिप्पणियां क्यों कीं और किस आधार पर कीं। वह एक कनिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं। इसलिए मैं उनकी कही गई बातों की निंदा नहीं करना चाहता। लेकिन साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हर किसी को इससे बचना चाहिए। वह जो टिप्पणियां करते हैं, उससे किसी भी धर्म के लोगों की भावनाएं आहत हो सकती हैं।

सहमति बनने के बाद भी तैयारियों में लगेंगे 3 साल

एक देश-एक चुनाव पर बिल ला सकती है केन्द्र सरकार.....

- 35 लाख से ज्यादा ईवीएम-वीवीपैट की जरूरत
- इसे बनाने वाली कंपनियों की मौजूदा क्षमता अभी हर साल करीब पांच लाख ईवीएम बनाने की

नई दिल्ली। एजेंसी

एक देश- एक चुनाव को लेकर इन दिनों राजनीतिक हलचल बढ़ी हुई है, हालांकि अभी यह तय नहीं है कि इस पर कब से अमल होगा, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसकी संभावनाओं को तलाशने के लिए हाल ही में एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है। बावजूद इसके यदि एक साथ चुनाव कराने की सहमति बन भी जाती है तब भी इससे जुड़ी तैयारियों के लिए कम से कम तीन साल का समय लगेगा। यह इसलिए क्योंकि एक साथ चुनाव के लिए निर्वाचन आयोगको 35 लाख से ज्यादा ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) और वीवीपैट (वोटर वेरीफाइड पेपर आडिट ट्रेल) की जरूरत होगी। जबकि रिपोर्ट के मुताबिक, अभी आयोग के पास तकरीबन 20 लाख ईवीएम और वीवीपैट ही मौजूद है। ऐसे में बाकी की पंद्रह लाख ईवीएम और वीवीपैट तैयार कराने में उसे समय लगेगा। साथ ही इसके लिए उसे एकमुश्त बड़े बजट की भी जरूरत होगी। एक साथ चुनाव कराने की वैसे भी जब से चर्चा शुरू हुई है, तब से निर्वाचन आयोग भी अपने गुणा- गणित में जुटा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, आयोग ऐसी स्थितियों में अपनी जरूरतों को समझने में जुटा है। फ्लिहाल अबतक जो जानकारी निकलकर सामने आयी है, उसके तहत उसकी चिंता अभी एक साथ चुनाव कराने के लिए ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की उपलब्धता को लेकर है, क्योंकि मौजूदा समय में इन मशीनों को तैयार करने वाली कंपनियों की क्षमता साल में सिर्फ पांच लाख मशीनें ही तैयार करने की है। ऐसे में पंद्रह लाख मशीनों को तैयार करने में तीन साल का समय लगेगा। यही नहीं इन मशीनों को खरीदने के लिए आयोग को पांच हजार करोड़ से ज्यादा राशि की जरूरत पड़ेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा समय में एक ईवीएम मशीन की कीमत तकरीबन 35 हजार रुपए के आसपास पड़ती है। एक ईवीएम की औसत आयु 15 साल की ही होती है। चुनावों को एक साथ कराने में राजनीतिक अड़चन, भारी खर्च और ज्यादा समय लगने जैसी दिक्कतों को देखते हुए माना जा रहा है कि केंद्र सरकार इस पूरी योजना के प्लान बी को अपना सकती है। जिसमें एक साथ चुनाव को लेकर सहमति न बन पाने पर सभी चुनावों को दो चरणों में कराया जा सकता है।पहला चरण लोकसभा के साथ, जबकि दूसरा चरण ढाई साल बाद यानी मिड टर्म में।

एक देश-एक चुनाव पर बिल ला सकती है सरकार

सरकार ने 18 सितंबर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार एक देश, एक चुनाव पर बिल ला सकती है। इससे पहले कानून मंत्रालय ने कमेटी बनाई है। इसका मकसद कानून के मौजूदा ढांचे को ध्यान में रखते हुए देश में एकसाथ चुनाव कराने को लेकर जांच करना है। इसमें जांच की जाएगी कि लोकसभा, विधानसभा, नगर पालिका और पंचायतों के चुनाव एक साथ हो सकते हैं या नहीं।

आजादी के बाद लागू था वन नेशन, वन इलेक्शन

वन नेशन, वन इलेक्शन या एक देश-एक चुनाव का मतलब हुआ कि पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही हों। आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही हुए थे, लेकिन 1968 और 1969 में कई विधानसभाएं समय से पहले भंग कर दी गईं। उसके बाद 1970 में लोकसभा भी भंग कर दी गई। इस वजह से एक देश-एक चुनाव की परंपरा टूट गई।

भारत प्रत्येक बिंदु पर काम करने में सबसे आगे : तोमर

खाद्य चुनौतियों का सामना करने के लिए जी-20 प्रतिबद्ध-तोमर..

नई दिल्ली/ एजेंसी

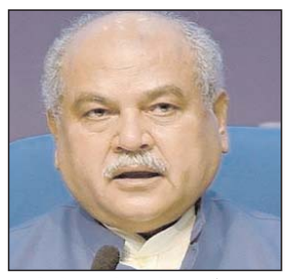

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि दुनिया को खाद्य सुरक्षा के लक्ष्य प्राप्त करने की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। 2030 तक शून्य भूखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करना है। किंतु कोविड एवं जलवायु परिवर्तन के चलते 2015 से स्थिति यथावत है। भारत जी-20 कृषि कार्य समूह के तहत इस संकट के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। सभी सदस्य देशों के कृषि मंत्रियों ने खाद्य सुरक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। तोमर ने कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता में तय किए गए प्रत्येक बिंदु पर काम करने में सबसे आगे रहा है। खाद्य संकट और आपात स्थिति का सामना कर रहे देशों को मानवीय खाद्य सहायता दी है। कोविड-19 के दौरान भी भारत ने पड़ोसी समेत कई देशों को हजारों टन अनाज की आपूर्ति की है। देश में भी 'एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड' के तहत सब्सिडी पर खाद्यान्न दिए जा रहे हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाया गया है। जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। इनपुट, लागत व कटौती से मुक्ति के लिए खेती की वैकल्पिक प्रणाली पर काम हो रहा है। जलवायु के अनुकूल फसलों की 1,752 किस्में विकसित हुई हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को उनके प्रीमियम का चार गुना से अधिक मिला है। सुपर फूड के रूप में श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए जी-20 की अध्यक्षता के तहत भारत ने श्रीअन्न एवं अन्य प्राचीन अनाज अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पहल (महर्षि) की शुरूआत की है। यह निरंतरता और नवाचार को बढ़ावा देते हुए पोषण एवं अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है।

सनातन धर्म के विरोधियों को न सत्ता में रहने का अधिकार न आने का : दीया

जयपुर। सांसद दीया कुमारी ने नाथद्वारा विधानसभा के उनवास में पीएमजीएस योजना के अंतर्गत बनने वाली 6.79 करोड़ की सड़क का शिलान्यास किया। उनवास में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तृतीय फेज-2 में खमनोर से केसुली वाया उनवास सेमल तक 6.79 करोड़ की लागत से 8.50 किलोमीटर बनने वाली सड़क का शिलान्यास करते हुए सांसद दीया कुमारी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है और उसी का परिणाम है की गांव गांव में सड़कों का जाल बिछाया गया है।

गणेश चतुर्थी पर कामकाज की होगी शुरुआत

19 सितंबर को होगा नए संसद भवन का श्रीगणेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर के पांच दिनों के लिए संसद का विशेष सत्रबुलाया है। 18 सितंबर से शुरू होने वाला संसद का विशेष सत्र पुरानी इमारत में ही शुरू होगा। हालांकि, 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर संसदीय कामकाज नए संसद भवन में स्थानांतरित हो जाएगा। नई संसद कई अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यह त्रिकोण के आकार का है और इसे सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत बनाया गया है। 862 करोड़ की लागत में बना यह नया संसद भवन 64,500 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। मालूम हो कि नए संसद भवन का उद्घाटन इस साल 28 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। पीएम मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक ट्वीट में कहा, संसद का विशेष सत्र (17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र) 18 से 22 सितंबर तक पांच बैठकों के साथ बुलाया जा रहा है। अमृत काल के बीच संसद में सार्थक चर्चा और बहस की उम्मीद है।

गैंगस्टर मामले में बांदा जेल से लिंक जुड़ने पर हुई पेशी

ट्रांसफर होकर बांदा जेल में आए सिपाही से बताया खतरा-अंसारी

मऊ। एजेंसी

माफिया मुख्तार अंसारी की विशेष न्यायाधीश दिनेश चौरसिया की अदालत में तीन मामलों में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से पेशी हुई। इस दौरान मुख्तार अंसारी ने जेल में हत्या की आशंका जताते हुए कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई। उसने सोनभद्र से ट्रांसफर होकर बांदा जेल में आए एक सिपाही से खुद को खतरा बताया है। आरोप लगाया है कि जेल प्रशासन उससे मिलकर उसकी हत्या करवा सकता है। मुख्तार अंसारी ने बैजनाथ महाविद्यालय, सरवां को विधायक निधि से लाखों रुपये दिए था। जांच में विद्यालय की खतौनी फर्जी पाई गई। इस मामले में मुख्तार अंसारी सहित विद्यालय के प्रबंधक व अन्य आधा दर्जन लोगों को आरोपित बनाया गया। इसके साथ ही अन्य मामले में शस्त्र लाइसेंस का मामला पंजीकृत होने के बाद सभी आरोपियों पर गैंगस्टर का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में साक्ष्य के लिए अगली तिथि 20 सितंबर नियत कर दी गई। इसके अलावा एमपी/ एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट सिविल जज सीनियर डिविजन श्वेता चौधरी की अदालत में मुख्तार अंसारी के दक्षिणटोला के शस्त्र लाइसेंस व सरायलखंसी के विधायक निधि मामले में बुधवार को बांदा जेल से लिंक न जुड़ पाने के चलते वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी नहीं कराई जा सकी। अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते शास्त्र लाइसेंस मामले में 13 सितंबर तथा विधायक निधि मामले में 20 सितंबर की तारीख नियत कर दी।

सीबीआई ने आईआर एफसी के पूर्व सीएमडी पर फंड गबन का मामला दर्ज किया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई ने कथित भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के गबन के मामले में भारतीय रेलवे वित्त निगम आईआरएफसी के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमिताभ बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह मामला आईआरएफसी फंड का उपयोग करके महंगे सोने और गैर-सोने की वस्तुओं की खरीद, खरीद और वितरण से संबंधित है। आईआरएफसी भारतीय रेलवे के तहत एक अनुसूची ए सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम पीएसयू है, जो मुख्य रूप से रोलिंग स्टॉक के अधिग्रहण और हाल ही में रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

राहुल गांधी यूरोप की एक सप्ताह की यात्रा के लिए रवाना

राहुल गांधी 9 सितंबर को करेंगे फ्रांसीसी सांसदों के साथ बैठक

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी यूरोप की एक सप्ताह की यात्रा के लिए मंगलवार (6 सितंबर) को रवाना हो गए है। यहां वह यूरोपीय संघ के सांसदों, छात्रों और भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगे। सूत्रों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि गांधी 7 सितंबर को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के सांसदों से मिलेंगे। इसके बाद वह कुछ प्रवासी भारतीयों के साथ रात्रिभोज में शामिल होंगे। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, राहुल गांधी अगले दिन यानी 8 सितंबर को कुछ भारतीय उद्योगपतियों के साथ बैठक करेंगे और दोपहर को लगभग 1 बजकर 30 मिनट पर ब्रुसेल्स में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद कांग्रेस प्रमुख पेरिस के लिए रवाना होंगे, जहां वह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस पूरा करने के अगले दिन 9 सितंबर को राहुल गांधी फ्रांसीसी सांसदों के साथ बैठक करेंगे और साइंसेज पो यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ बातचीत करेंगे। सूत्रों ने बताया कि 10 सितंबर को गांधी नीदरलैंड के लिए रवाना होंगे। वहां वह 400 साल पुरानी लीडेन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे और छात्रों से बातचीत करेंगे। राहुल गांधी 11 सितंबर को नॉर्वे जाएंगे जहां वह ओस्लो में देश के सांसदों से मुलाकात करेंगे। वह अनिवासी भारतीयों से भी मिलेंगे और ओस्लो विश्वविद्यालय में एक बैठक में भाग लेंगे। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस गांधी के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

जी-20 शिखर सम्मेलन में फैसले पर लगेगी मुहर

गरीब व विकासशील देशों के आर्थिक विकास पर फोकस

- जी-20 देशों के वित्त मंत्री व केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठकों का एजेंडा तय

नई दिल्ली। एजेंसी

जी-20 समूहकी वित्तीय बैठकों में भारत ने गरीब व विकासशील देशों की आवाज को बुलंद करने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने अपनी अध्यक्षता में इन देशों में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए वित्तीय समावेश और उनके सतत विकास का रोडमैप तैयार किया है। भारत की अध्यक्षता में कई ऐसे मुद्दों पर लगभग सहमति बन चुकी है, जिससे गरीब व विकासशील देशों के आर्थिक विकास के साथ आने वाले समय में उन्हें वैश्विक एजेंसियों से वित्तीय मदद भी आसानी से मिल सकेगी। हालांकि, सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला 9 व 10 सितंबर को जी-20 देशों के शीर्ष नेताओं की बैठक में किया जाएगा। अध्यक्ष होने के नाते भारत को ही जी-20 देशों के वित्त मंत्री व केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठकों का एजेंडा तय करना था। क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने के लिए वैश्विक फ्रेमवर्क, डिजिटल पब्लिक इंफ्रा के विकास से लेकर जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए एमडीबी के फ्रेमवर्क में बदलाव, शहरों को भविष्य के लायक बनाने के लिए उनकी वित्तीय व्यवस्था, कर्ज में डूबे गरीब देशों को उबारने की कवायद व इंटरनेशनल टैक्स व्यवस्था। जी-20 देशों के शीर्ष नेताओं की बैठक में यह फैसला किया जा सकता है कि क्रिप्टोकरेंसी को

वैश्विक स्तर पर कैसे रेगुलेट किया जाए, उसका तरीका क्या हो। वित्त मंत्रियों की बैठक में बनाई गई कमेटी ने इसका फ्रेमवर्क तैयार कर दिया है। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष व अन्य वैश्विक वित्तीय एजेंसियां इसे रेगुलेट करने की रूपरेखा तय करेंगी। क्रिप्टो के पूरी तरह से टेक्नोलॉजी से जुड़े होने के नाते एक अकेला देश इसे रेलुगेट नहीं कर सकता है। वित्त मंत्रियों की पूर्व की बैठक में एमडीबी (मल्टीलैटरल डेवलपमेंट बैंक) का दायरा बढ़ाने के लिए कमेटी बनाई गई थी, जिसकी सिफारिश को सभी जी-20 देशों ने स्वीकार्य योग्य बताया है। मुख्य रूप से एमडीबी जलवायु परिवर्तन व डिजिटल पब्लिक इंफ्रा से जुड़ी जरूरतों की पूर्ति के लिए वित्तीय मदद देगा। भारत ने जिस तरह खुद डीपीआई की मदद से अपना वित्तीय समावेश किया है, वैसे ही अन्य विकासशील व गरीब देशों का वित्तीय समावेश किया जा सकता है। भारत के इस प्रस्ताव को भी स्वीकार योग्य माना गया है। वहीं भारत ने गरीब व विकासशील देशों के सतत विकास का भी फार्मूला तैयार किया जिससे उन देशों में भी गरीबी कम हो सके। शहरों को भविष्य के लायक बनाने के लिए स्थानीय निकाय की प्रशासनिक क्षमता का विस्तार किया जाएगा। उनके लिए वित्तीय मॉडल तैयार किया जाएगा ताकि शहर अपने विकास को लगातार जारी रख सके। इसके लिए कुछ शहरों का चयन कर वहां पायलट प्रोजेक्ट चलाया जाएगा।

सम्मेलन स्थल पर लगी नटराज की प्रतिमा

दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले राजधानी में सिक्योरिटी को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि सम्मेलन केंद्र, भारत मंडपम, जो प्रमुख जी20 शिखर बैठकों की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में स्थापित नटराज प्रतिमा भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं के प्रमाण के रूप में खड़ी होगी। पीएम मोदी मूर्ति के बारे में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें कहा गया था कि यह अष्टधातु से बनी है। पीएम मोदी ने कहा कि 27 फीट ऊंची, 18 टन वजनी मूर्ति अष्टधातु से बनी सबसे ऊंची मूर्ति है और इसे तमिलनाडु के स्वामी मलाई के प्रसिद्ध मूर्तिकार राधाकृष्णन स्थापति और उनकी टीम ने रिकॉर्ड 7 महीने में तैयार किया है।

श्रीकृष्ण के 13 रूप
हर रूप का अलग ही है रंग

भगवान श्रीकृष्ण को पूर्णावतार माना जाता है। 64 कलाओं में दक्ष श्रीकृष्ण ने हर क्षेत्र में अपने व्यक्तित्व की छाप छोड़ी है। वैसे तो भगवान श्रीकृष्ण के सैकड़ों रूप और रंग हैं लेकिन आओ हम जानते हैं कि उनके 13 रूप-

बाल कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण का जन्म अद्‌भुत परिस्थितियों में हुआ और उनकी बाल लीलाओं पर हजारों किताबें लिखी जा चुकी हैं। श्रीमद्‌भागवत पुराण में उनकी बाल लीलाओं का वर्णन मिलता है। श्रीकृष्ण का बचपन गोकुल और वृंदावन में बीता। श्रीकृष्ण ने ताड़का, पूतना, शकटासुर आदि का बचपन में ही वध कर डाला था। बाल कृष्ण को 'माखन चोर' भी कहा जाता है।

गोपाल कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण एक ग्वाले थे और वे गाय चराने जाते थे इसीलिए उन्हें 'गोपाल' भी कहा जाता है। ग्वाले को गोप और गवालन को गोपी कहा जाता है। हालांकि यह शब्द अनेकार्थी है। पुराणों में गोपी-कृष्ण लीला का वर्णन मिलता है। इसमें गोप और गोपिकाएं डांडिया रास करते हैं।

रक्षक कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

सखा कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा थे। सखा मतलब मित्र या दोस्त। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्मा, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से कुछ नामों में अंतर है। इसके अलावा भौमासुर से मुक्त कराई गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं।

प्रेमी कृष्ण : कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रृंगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

कर्मयोगी कृष्ण : गीता में कर्मयोग का बहुत महत्व है। कृष्ण ने जो भी कार्य किया, उसे अपना कर्म समझा, अपने कार्य की सिद्धि के लिए उन्होंने साम-दाम-दंड-भेद सभी का उपयोग किया, क्योंकि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पूर्ण जीते थे और पूरी जिम्मेदारी के साथ उसका पालन करते थे। न अतीत में और न भविष्य में, जहां हैं वहीं पूरी सघनता से जीना ही उनका उद्देश्य रहा।

धर्मयोगी कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण ने ऋषि वेदव्यास के साथ मिलकर धर्म के लिए बहुत कार्य किया। गीता में उन्होंने कहा भी है कि जब-जब धर्म की हानि होगी, तब-तब मैं अवतार लूंगा। श्रीकृष्ण ने नए सिरे से उनके कार्य में सनातन धर्म की स्थापना की थी।

वीर कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत में युद्ध नहीं लड़ा था। वे अर्जुन के सारथी थे। लेकिन उन्होंने कम से कम 10 युद्धों में भाग लिया था। उन्होंने चाणूर, मुष्टिक, कंस, जरासंध, कालयवन, अर्जुन, शंकर, नरकासुर, पौंड्रक और जाम्बवंत से भयंकर युद्ध किया था। महाभारत के युद्ध में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस युद्ध में वे अर्जुन के सारथी थे। हालांकि उन्हें 'रणछोड़ कृष्ण' भी कहा जाता है। इसलिए कि वे अपने सभी बंधु-बांधवों की रक्षा के लिए मथुरा छोड़कर द्वारिका चले गए थे। वे नहीं चाहते थे कि जरासंध से मेरी शत्रुता के कारण मेरे कुल के लोग भी व्यर्थ का युद्ध करें।

योगेश्वर कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण एक महायोगी थे। उनका शरीर बहुत ही लचीला था लेकिन वे अपनी इच्छानुसार उसे वज्र के समान बना लेते थे, साथ ही उनमें कई तरह की यौगिक शक्तियां थीं। योग के बल पर ही उन्होंने मृत्युपर्यंत तक खुद को जवान बनाए रखा था।

अवतारी कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण विष्णु के अवतार थे। उन्हें

पूर्णावतार माना जाता है। महाभारत के युद्ध के दौरान अर्जुन को उन्होंने अपना विराट स्वरूप दिखाकर यह सिद्ध कर दिया था कि वे ही परमेश्वर हैं।

राजनीतिज्ञ और कूटनीतिज्ञ कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण ने अपने संपूर्ण जीवन में कूटनीति के बल पर परिस्थितियों को अपने अनुसार ढालकर भविष्य का निर्माण किया था। उन्होंने जहां कर्ण के कवच और कुंडल दान में दिलवा दिए, वहीं उन्होंने दुर्योधन के संपूर्ण शरीर को वज्र के समान होने से रोक दिया। सबसे शक्तिशाली बर्बरीक का शीश मांग लिया तो दूसरी ओर उन्होंने घटोत्कच को सही समय पर युद्ध में उतारा। ऐसी सैकड़ों बातें हैं जिससे पता चलता है कि किस चालाकी से उन्होंने संपूर्ण महाभारत की रचना की और पांडवों को जीत दिलाई।

रिश्तों में खरे कृष्ण : भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे। कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे। सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ कुंती के पुत्र अर्जुन से किया था। उसी तरह श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का दिन बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। कृष्ण जन्मभूमि पर देश विदेश से लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती हैं और पूरे दिन व्रत रखकर नर-नारी तथा बच्चे रात्रि 12 बजे मन्दिरों में अभिषेक होने पर पंचामृत ग्रहण कर व्रत खोलते हैं। कृष्ण जन्म स्थान के अलावा द्वारकाधीश, बिहारीजी एवं अन्य सभी मन्दिरों में इसका भव्य आयोजन होता हैं, जिनमें भारी भीड़ होती है।

भगवान श्री कृष्ण के 108 नाम देंगे खुशियों का वरदान

सौभाग्य, ऐश्वर्य, यश, कीर्ति, पराक्रम और अपार वैभव के लिए भगवान श्रीकृष्ण के नामों का जाप किया जाता है। 108 नाम यहां पाठकों के लिए प्रस्तुत हैं।
पढ़ें भगवान श्रीकृष्ण के 108 नाम और उनके अर्थ.और पाएं हर तरह की समृद्धि.

1. अचला : भगवान।
2. अच्युत : अचूक प्रभु या जिसने कभी भूल न की हो।
3. अद्‌भुतह : अद्‌भुत प्रभु।
4. आदिदेव : देवताओं के स्वामी।
5. अदित्या : देवी अदिति के पुत्र।
6. अजन्मा : जिनकी शक्ति असीम और अनंत हो।
7. अजया : जीवन और मृत्यु के विजेता।
8. अक्षरा : अविनाशी प्रभु।
9. अमृत : अमृत जैसा स्वरूप वाले।
10. अनादिह : सर्वप्रथम हैं जो।
11. आनंद सागर : कृपा करने वाले।
12. अनंता : अंतहीन देव।
13. अनंतजीत : हमेशा विजयी होने वाले।
14. अनया : जिनका कोई स्वामी न हो।
15. अनिरुद्धा : जिनका अवरोध न किया जा सके।
16. अपराजित : जिन्हें हराया न जा सके।
17. अव्युक्ता : माणभ की तरह स्पष्ट।
18. बाल गोपाल : भगवान कृष्ण का बाल रूप।
19. बलि : सर्वशक्तिमान।
20. चतुर्भुज : चार भुजाओं वाले प्रभु।
21. दानवेंद्रो : वरदान देने वाले।
22. दयालु : करुणा के भंडार।
23. दयानिधि : सब पर दया करने वाले।
24. देवाधिदेव : देवों के देव।
25. देवकीनंदन : देवकी के लाल (पुत्र)।
26. देवेश : ईश्वरों के भी ईश्वर।
27. धर्माध्यक्ष : धर्म के स्वामी।
28. द्वारकाधीश : द्वारका के अधिपति।
29. गोपाल : ग्वालों के साथ खेलने वाले।
30. गोपालप्रिया : ग्वालों के प्रिय।
31. गोविंदा : गाय, प्रकृति, भूमि को चाहने वाले।
32. ज्ञानेश्वर : ज्ञान के भगवान।
33. हरि : प्रकृति के देवता।
34. हिरण्यगर्भा : सबसे शक्तिशाली प्रजापति।
35. ऋषिकेश : सभी इन्द्रियों के दाता।
36. जगद्गुरु : ब्रह्मांड के गुरु।
37. जगदीशा : सभी के रक्षक।
38. जगन्नाथ : ब्रह्मांड के ईश्वर।
39. जनार्धना : सभी को वरदान देने वाले।
40. जयंतह : सभी दुश्मनों को पराजित करने वाले।
41. ज्योतिरादित्या : जिनमें सूर्य की चमक है।
42. कमलनाथ : देवी लक्ष्मी के प्रभु।
43. कमलनयन : जिनके कमल के समान नेत्र हैं।
44. कामसांतक : कंस का वध करने वाले।
45. कंजलोचन : जिनके कमल के समान नेत्र हैं।
46. केशव : लंबे, काले उलझा ताले जिसने।
47. कृष्ण : सांवले रंग वाले।
48. लक्ष्मीकांत : देवी लक्ष्मी के देवता।
49. लोकाध्यक्ष : तीनों लोक के स्वामी।
50. मदन : प्रेम के प्रतीक।
51. माधव : ज्ञान के भंडार।
52. मधुसूदन : मधु-दानवों का वध करने वाले।
53. महेन्द्र : इन्द्र के स्वामी।
54. मनमोहन : सबका मन मोह लेने वाले।
55. मनोहर : बहुत ही सुंदर रूप-रंग वाले प्रभु।
56. मयूर : मुकुट पर मोरपंख धारण करने वाले भगवान।
57. मोहन : सभी को आकर्षित करने वाले।
58. मुरली : बांसुरी बजाने वाले प्रभु।
59. मुरलीधर : मुरली धारण करने वाले।
60. मुरली मनोहर : मुरली बजाकर मोहने वाले।
61. नंदगोपाल : नंद बाबा के पुत्र।
62. नारायन : सबको शरण में लेने वाले।
63. निरंजन : सर्वोत्तम।
64. निर्गुण : जिनमें कोई अवगुण नहीं।
65. पद्महस्ता : जिनके कमल की तरह हाथ हैं।
66. पद्मनाभ : जिनकी कमल के आकार की नाभि हो।
67. परब्रह्मन : परम सत्य।
68. परमात्मा : सभी प्राणियों के प्रभु।
69. परम पुरुष : श्रेष्ठ व्यक्तित्व वाले।
70. पार्थसारथी : अर्जुन के सारथी।
71. प्रजापति : सभी प्राणियों के नाथ।
72. पुण्य : निर्मल व्यक्तित्व।
73. पुरुषोत्तम : उत्तम पुरुष।
74. रविलोचन : सूर्य जिनका नेत्र है।
75. सहस्राकाश : हजार आंख वाले प्रभु।
76. सहस्रजीत : हजारों को जीतने वाले।
77. सहस्रपात : जिनके हजारों पैर हों।
78. साक्षी : समस्त देवों के गवाह।
79. सनातन : जिनका कभी अंत न हो।
80. सर्वजन : सब कुछ जानने वाले।
81. सर्वपालक : सभी का पालन करने वाले।
82. सर्वेश्वर : समस्त देवों से ऊंचे।
83. सत्य वचन : सत्य कहने वाले।
84. सत्यव्त : श्रेष्ठ व्यक्तित्व वाले देव।
85. शंतह : शांत भाव वाले।
86. श्रेष्ठ : महान।
87. श्रीकांत : अद्‌भुत सौंदर्य के स्वामी।
88. श्याम : जिनका रंग सांवला हो।
89. श्यामसुंदर : सांवले रंग में भी सुंदर दिखने वाले।
90. सुदर्शन : रूपवान।
91. सुमेध : सर्वज्ञानी।
92. सुरेशम : सभी जीव-जंतुओं के देव।
93. स्वर्गपति : स्वर्ग के राजा।
94. त्रिविक्रमा : तीनों लोकों के विजेता।
95. उपेन्द्र : इन्द्र के भाई।
96. वैकुंठनाथ : स्वर्ग के रहने वाले।
97. वर्धमानह : जिनका कोई आकार न हो।
98. वासुदेव : सभी जगह विद्यमान रहने वाले।
99. विष्णु : भगवान विष्णु के स्वरूप।
100. विश्वदक्शिनह : निपुण और कुशल।
101. विश्वकर्मा : ब्रह्मांड के निर्माता।
102. विश्वमूर्ति : पूरे ब्रह्मांड का रूप।
103. विश्वरूपा : ब्रह्मांड हित के लिए रूप धारण करने वाले।
104. विश्वात्मा : ब्रह्मांड की आत्मा।
105. वृषपर्व : धर्म के भगवान।
106. यदवेंद्रा : यादव वंश के मुखिया।
107. योगि : प्रमुख गुरु।
108. योगिनाम्पति : योगियों के स्वामी।

अगर घर में है बाल गोपाल की प्रतिमा तो रखें इन बातों का ध्यान

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर घरों में बाल गोपाल की पूजा होती है। उनके लिए झूले सजाए जाते हैं। बाल गोपाल की पूजा में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखा जाता है।

- सुबह जल्दी उठने के बाद सबसे पहले बाल गोपाल की पूजा और भोग लगाना चाहिए।
- बाल गोपाल की पूजा में प्रयोग की जाने वाली सभी सामग्रियों का शुद्ध होना जरूर है। इसलिए पूजा के बर्तन को जरूर साफ करें।
- बाल गोपाल को साफ जल और गंगाजल से प्रतिदिन स्नान जरूर करवाना चाहिए।
- स्नान करवाने के बाद चंदन का टीका लगाएं।
- बाल गोपाल के कपड़ों को रोजाना बदलें। इसके अलावा दिन के अनुसार अलग-अलग रंग वाले परिधान ही पहनाएं जैसे सोमवार को सफेद, मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को नारंगी, शनिवार को नीला और रविवार को लाल पोशाक.
- लड्डू गोपाल को मक्खन, मिश्री और तुलसी के पत्ते बहुत पसंद होता है। इसलिए भोग में रोजाना इसे जरूर शामिल करें।
- रोजाना लड्डू गोपाल के श्रृंगार में उनके कान की बाली, कलाई में कड़ा, हाथों में बांसुरी और मोरपंख जरूर होना चाहिए।
- श्रृंगार के बाद सबसे पहले भगवान गणेश की आरती उतारें फिर लड्डू गोपाल की।
- आरती के बाद अपने हाथों से उन्हें भोग लगाएं, झूला झूलाएं और फिर झूले में लगे परदे को बंद करना ना भूले।
- सुबह और शाम के दोनों वक्त लड्डू गोपाल की आरती और भोग लगाना जरूरी होता है।
- शुभ अवसर और त्योहार पर उन्हें नए कपड़े और पकवान का भोग जरूर लगाएं।
- बाल गोपाल की पूजा और भोग लगाएं बिना खाना नहीं खाना चाहिए। उन्हें भोग लगाने के बाद भोजन प्रसाद बन जाएगा।
- घर में बाल गोपाल हैं तो मांस-मदिरा का सेवन, गलत व्यवहार और अधार्मिक कार्यों से बचना चाहिए।
- रात को सोने से पहले बाल गोपाल को सुलाने के बाद ही सोएं।
- होली, राखी, दीपावली, महाशिवरात्रि, रामनवमी और जन्माष्टमी जैसे प्रमुख त्योहार में इनकी विशेष रूप से पूजा करें।
- जन्माष्टमी पर पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग है।

तंत्र की 4 महारात्रियों में से एक है जन्माष्टमी की रात

जन्माष्टमी को तंत्र की 4 महारात्रियों मे से 1 माना गया है। विशेष रूप से इस रात्रि को शनि, राहु, केतु, भूत, प्रेत, वशीकरण, सम्मोहन, भक्ति और प्रेम के प्रयोग एवं उपाय करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

विशेष उपाय

- ससंकल्प उपवास करें रात्रि में भी भोजन न लें।
- काले तिल व सर्व औषधि युक्त जल से स्नान करें।
- संतान प्राप्ति तथा पारिवारिक आनंद के लिए कृष्ण पूजन, अभिषेक कर जन्मोत्सव मनाएं।
- धनिये की पंजरी और माखन मिश्री का भोग लगा कर प्रसाद वितरण करें।
- इष्ट मूर्ति, मंत्र, यंत्र की विशेष पूजा व साधना करें।
- श्री राधा कृष्ण बीजमंत्र का जप करें।
- भक्ति एवं संतान प्राप्ति के लिए गोपाल, कृष्ण, राधा या विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ व तुलसी अर्चन करें।
- भूत प्रेत बाधा निवारण, रक्षा प्राप्ति हेतु सुदर्शन प्रयोग, देवीकवच का पाठ करें।
- श्रीकृष्ण और राधिका के 1000 नामों का पाठ करें।
- आकर्षण, सम्मोहन, वशीकरण, प्रेम प्राप्ति के लिए तांत्रिक प्रयोग किए जा सकते हैं।
- श्रीकृष्ण की प्रिय वस्तुओं के साथ उनका श्रृंगार करें।

सार-समाचार

3 दिवसीय राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रशिक्षण सम्पन्न

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एस.सिंह के मार्गदर्शन में 04 मार्च से 06 सितम्बर 2023 तक 03 दिवसीय राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रशिक्षण सम्पन्न कराया गया। जिसमें राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक हेतु चिन्हांकित 17 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को प्रशिक्षित किया गया। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक में 08 संबंधित क्षेत्र होते हैं, जो कि सेवा प्रावधान, रोगी का अधिकार, इनपुट, सहायता सेवाएँ, नैदानिक सेवा, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन, परिणाम है। जिनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के बाह्य रोगी, प्रसव कक्ष, अत: रोगी, प्रयोगशाला, सामान्य प्रशासन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की तैयारी कराई जाती है। उक्त प्रशिक्षित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को अगले 03 महीने में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणीकरण हेतु तैयार किया जाएगा।

प्रांतीय स्वास्थ्य पेंशनर सम्मेलन 10 को

बिलासपुर, स्वास्थ्य पेंशनर कल्याण संघ बिलासपुर द्वारा बिलासपुर के श्री कृष्णा सेंट्रल मॉल, के होटल बंशीवाला में 10सितंबर 2023को सुबह 11बजे से 4बजे तक प्रांतीय स्वास्थ्य पेंशनर्स सम्मेलन एवम सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि माननीय श्री अटल श्रीवास्तव अध्यक्ष छग पर्यटन मंडल होंगेऔर संसदीय सचिव डा रश्मि आशीष सिंह,स्थानीय विधायक श्री शैलेष पाण्डेय, महापौर श्री रामशरण यादव,को आप बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक एवम् नगर के जाने माने नेत्र विशेषज्ञ डा ललित मखीजा, सर्जन और रोटेरियन डा आर ए शर्मा , पेंशनर और पूर्व कर्मचारी नेता सर्व स्त्रडु परस शर्मा, ओ पी शर्मा,आर पी शर्मा, वीरेन्द्र नामदेव,ललित मानिकपुरी,और प्रदेश तृतीय वर्ग शास कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जी आर चंद्रा विशिष्ट अतिथि होंगे।

इस सम्मेलन में स्वास्थ्य,चिकित्सा शिक्षा और आयुष विभाग के सभी संवर्ग के सेवानिर्वित कर्मचारी विशेषज्ञ ,चिकित्सक शामिल होंगे। सम्मेलन में आए 70वर्ष तथा सभी स्वास्थ्य पेंशनरों का सम्मान किए जाएंगे

कार्यक्रम में सुबह 11से01बजे तक- संगठनात्मक एवम स्वास्थ्य शिक्षा पर व्याख्यान होगा उसके बाद 3बजे तक अतिथियों द्वारा पेंशनरों का सम्मान कार्यकम होगा। स्वास्थ्य पेंशनर कल्याण संघ के संभागीय अध्यक्ष आर के थवाईत,सचिव सुंदर सिंह, उपाध्यक्ष आर एन राजपुत,पुष्पा मिश्रा,आरपी साहू, एस के कंवर, श्रीमति साधना पाण्डेय, बी एल शर्मा, डी आर लांझेकर पी एल देवांगन,देवानंद दुबे, बी एल कश्यप ने स्वास्थ्य विभाग के पेंशनरों से सम्मेलन सम्मान समारोह में उपस्थित होने की अपील किये है।

भाई से हुए विवाद का बदला लेने अपहरण कर हत्या, जबलपुर से आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। रविवार को एक कृषि फार्म के पास मिली किसान की लाश के मामले में पुलिस ने हत्या के आरोप में जबलपुर के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने भाई से हुए विवाद तथा मारपीट का बदला लेने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर किसान की हत्या कर दी और फरार हो गया। जिसे पुलिस ने मध्यप्रदेश के जबलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। मामला तखतपुर जुनापरा चौकी क्षेत्र के ग्राम बासाझाल का है। बता दें कि ग्राम बासाझाल में मृतक भगवानराम विश्नाई एक निजी फार्म हाउस में सब्जी भाजी की खेती करता था। जो कि 2 सितम्बर शनिवार को अपने कृषि फार्म से घर जाने निकला था, किन्तु घर नहीं पहुंचा। जिसकी शिकायत उसके भाई श्रवण कुमार विश्नाई ने रविवार को पुलिस थाने में दर्ज कराई थी। शिकातय पर पुलिस ने गुमईसान का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थी। गुमइंसान जांच दौरान कृषि फार्म से लगभग 1 किलोमीटर की दुरी पर भगवान राम का मोटरसायकल एवं चप्पल मिला था तथा उसी स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति का भी चप्पल मिला था। कृषि फार्म में कार्य करने वाले व्यक्तियों से पूछताछ पर पाया गया कि दिनांक 1 सितम्बर को भगवानराम विश्नोई जबलपुर से आए स्वराज माजदा के चालक सनम अंसारी के मध्य सब्जी के पैसे को लेकर विवाद हुआ था, तथा जिस स्थान पर भगवानराम विश्नोई का मोटर साइकल मिला था उसी स्थान पर एक आई 20 कार क्रमांक एमपी 20 सीएल 9305 को भी देखा गया था। जिसके बाद थाने की टीम ने मामले की जानकारी वरिष्ठ दी जिसके बाद उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन पर टीम गठीत कर कार के नंबर के आधार पर कार मालिक का पता कर टीम को जबलपुर रवाना किया गया, जहां सनम अंसारी के भाई गुलसेर से पूछताछ की गई। जिसमें उसने बताया कि मृतक भगवानराम विश्नोई द्वारा सहवान सरीफ उर्फ सनम अंसारी के साथ मारपीट की गई थी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, मिलाद-उन-नबी एवं अनंत चतुर्दशी पर्व सौहार्द्रपूर्ण माहौल में मनाने का लिया गया निर्णय

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक संपन्न

पर्व के दौरान पावर डीजे प्रतिबंधित

बिलासपुर:- 6 सितम्बर 2023 को कलेक्टर संजीव कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह की मौजूदगी में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस अवसर पर महापौर श्री रामशरण यादव विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में 7 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, 19 सितम्बर को गणेश चतुर्थी एवं 28 सितम्बर को मिलाद-उन-नबी एवं अनंत चतुर्दशी (गणेश विसर्जन) पर्व आपसी तालमेल एवं भाईचारे की भावना के साथ सौहार्द्रपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इन पर्वों के दौरान पावर डीजे प्रतिबंधित रहेगा।

इस दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने, श्री कृष्ण जन्माष्टमी त्यौहार मनाने, गणेश चतुर्थी के लिए पंडाल, स्वागत, विसर्जन, मिलाद-उन-नबी पर्व के दौरान आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में विचार विमर्श किया गया। महापौर रामशरण यादव ने सभी से शांतिपूर्ण तरीके से आपसी भाईचारे से त्यौहार मनाने की अपील की। कलेक्टर ने शांति समिति के सदस्यों और समाज प्रमुखों से अपील करते हुए कहा कि शहर की गौरवशाली परम्परा की तरह इस बार भी आपसी समन्वय और भाईचारे की भावना के साथ पर्व मनाएं। उन्होंने कहा कि धार्मिक सद्भावना कायम रहे इसके लिए सभी को एकदूसरे के धर्म और आस्था का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह के भ्रामक सूचनाओं के प्रचार प्रसार से बचना चाहिए। ऐसे लोगों पर खुद भी नजर रखें और इसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को तत्काल देवें। बैठक में गणेश विसर्जन के लिए स्थल निर्धारित करने की भी मांग की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर ने पर्व के पूर्व सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए और बिजली, पानी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग को जिम्मेदारी सौंपते हुए सजग रहने के निर्देश दिए गये। सभी धार्मिक एवं समाज प्रमुखों ने शांतिपूर्ण तरीके से सभी का सम्मान करते हुए समारोह आयोजन करने का भरोसा दिलाया। विशेषकर शहर में यातायात बाधित न हो, इसका ध्यान रखा जायेगा। बैठक में नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत, एडीएम आरए कुरूवंशी, अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी, एडीशनल एसपी राजेन्द्र जायसवाल, सिटी मजिस्ट्रेट एसएस दुबे, शांति समिति के सदस्य शेख नजरूद्दीन, वीरेन्द्र गहवई, हबीब मेमन, सुधीर खण्डेलवाल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की स्पष्टवादी असरदार...?

विधायक टिकट के लिए वही उम्मीद रखें, जिन्होंने सरपंच, अध्यक्ष व पार्षद चुनाव लड़ा हो

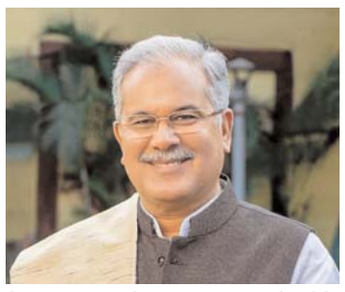

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/बिलासपुर :- राजनीति बड़ी चतुराई से की जाती है। राजनीति का तात्पर्य राज + नीति (राज मतलब शासन और नीति मतलब उचित समय और उचित स्थान पर उचित कार्य करने की कला) अर्थात् नीति विशेष के द्वारा शासन करना या विशेष उद्देश्य को प्राप्त करना राजनीति है। दूसरे शब्दों में कहें तो जनता के सामाजिक और आर्थिक स्तर (सार्वजनिक जीवन स्तर) को ऊँचा करना राजनीति है। अनुभवी या वरिष्ठ नेता खासकर सोच समझकर निर्णय लेते हैं। छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनावी रणनीति तैयार कर रहे हैं वह कितना असरदार होगा यह तो समय तय करेगा। लेकिन जिस तरह से विधायक टिकट के लिए छत्तीसगढ़ में मूसलाधार बारिश की तरह बाढ़ आ गई है उसके लिए तो कुछ ना कुछ तय करना जरूरी हो जाता है। इसी कड़ी में माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जो विधायक टिकट के लिए कम से कम सरपंच, अध्यक्ष या पार्षद चुनाव जीता हो या फिर चुनाव लड़ा हो तय किया है वह काबिले तारीफहै। निश्चित ही इस तरह की पैमाना वरिष्ठ नेताओं के द्वारा अपने पार्टी के लिए लिया जाए या तय कर ले तो पार्टी के लिए काफी फायदेमंद है। छत्तीसगढ़ बिलासपुर जिला के बेलतरा- बिलासपुर ग्रामीण विधानसभा सीट से अकेला 98 आवेदन प्राप्त हुआ है, कुल मिलाकर प्रदेश में 90 विधानसभा सीटों के लिए 2789 उम्मीदवार आवेदन जमा किए हैं उनमें से केवल 90 को ही टिकट दिया जाएगा। और यह भी सही है की टिकट न मिलने से नाराज नेता हर दल के लिए समस्या है। किंतु पार्टी से संबंधित व्यक्ति पार्टी समर्पित भाव भी होना आवश्यक है, तभी तो पक्ष मजबूत होगा और असरदार भी।

भविष्य के युवा मतदाताओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

साक्षरता सप्ताह में आयोजित हुए स्वीप कार्यक्रम

बिलासपुर:- 5 सितम्बर 2023 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लिंगियाडीह में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम एवं मतदाता जागरूकता पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने शत प्रतिशत मतदान, बिलासपुर का अभिमान नारों का वाचन कर लोगों को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। आत्मानंद स्कूल चिंगराजपारा में नृत्य, चित्रकला एवं रंगोली बनाकर स्कूली बच्चों ने स्वीप कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ ही डीएलएस पीजी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगणों ने अपने मताधिकार का उपयोग करने की शपथ ली। शासकीय मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय के छात्रों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को मतदान के महत्व से अवगत कराया। आगामी निर्वाचन को देखते हुए जिले में व्यापक स्तर पर स्वीप कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। भविष्य के युवा मतदाताओं को कार्यक्रम से जोड़कर मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है।

बिलासपुर के नये आईजी अजय कुमार यादव ने पदभार ग्रहण किया

बिलासपुर:- बिलासपुर के नए आईजी अजय यादव ने बुधवार को पदभार ग्रहण कर लिया, कार्यालय पहुंचते ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अजय कुमार यादव साल 2004 के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। वो रायपुर के एसएसपी रह चुके हैं। उनका स्वागत एसपी संतोष सिंह ने किया।

अजय यादव प्रदेश में काम कर रहे अफसरों में ऐसे अफसर हैं जो छत्तीसगढ़ के ही रहने वाले हैं। अजय यादव के पिता सरकारी नौकरी करते थे, बस्तर संभाग में उनकी पोस्टिंग थी। कोंडागांव, जगदलपुर, बीजापुर, दोरनापाल इन इलाकों में अजय यादव ने स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई की थी। इसके बाद रायपुर से पोस्ट ग्रैजुएशन किया।

उन्होंने बिलासपुर में रहकर यूपीएससी की तैयारी की और तीसरी कोशिश में आईपीएस बने । फर्स्ट अटेम्प्ट में भी अच्छे रैंक मिले थे और नौकरी शुरू कर चुके थे। वो नौकरी करते हुए दो बार और परीक्षा दी थी। अजय यादव जिला सरगुजा, नारायणपुर, जगदलपुर, जांजगीर चांपा, बिलासपुर, दुर्ग एवं रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पद ओर गुप्तवार्ता पर पदस्थ रहे हैं। नक्सल इलाकों में भी पुलिस सर्विस का मौका उन्हें मिला। फेम इंडिया मैगजीन-एशिया पोस्ट सर्वे के मापदंडों में क्राइम कंट्रोल, लॉ एंड आर्डर में सुधार, पीपुल्स फ्रेंडली, दूरदर्शिता, उत्कृष्ट सोच, जवाबदेह कार्यशैली, अहम फैसले लेने की त्वरित क्षमता, सजगता, व्यवहार कुशलता आदि पर किए गए सर्वे में छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अजय यादव अव्वल स्थान पर रहे।

सेन्दूरी सरपंच के द्वारा कर्मा तिहार के लिए नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया गया

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जनपद पंचायत रामानुजनगर के ग्राम पंचायत सेन्दूरी सरपंच कवल साय के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कर्मा तिहार के उपलक्ष में निशुल्क चावल शंकर चना नमक वितरण किया गया जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है ग्राम के सरपंच गाँव के हर परिवार के लिए किसी भी समय दिन हो या रात गाँव के जनहित कार्यो के लिए या पंचायत के कार्यो के लिए हमेशा खड़े रहते है त्योहार करीब पहुंचते ही सरपंच ने हर पर्व में गाँव के लोगों के लिए कुछ ना कुछ करते रहते हैं सरल स्वभाव के धनी गांव के मुखिया जो लोगों के हर छोटे बड़े कार्यों में हमेशा तत्पर खड़े रहते हैं इस लिए ग्रामीण भी इनके कार्य से प्रसंन्न रहते हैं और सरपंच का तारीफ करते हुए लोगों का जुबान नहीं थकता जो कुछ मिल रहा है इस बात को गाँव वाले को भी जानकारी मिलने पर सरपंच के लिए काफी खुश हुए और आशीर्वाद एवं दुआ भी दिए और दुआ मिलने पर प्रशंसा करते हुए सरपंच ने कहा कि मैं भी आप लोगो के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा सुख और दुख के साथ हू और इसी प्रकार मेरे से जितना बन पड़ेगा मै ग्राम वासियों का निस्वार्थ भाव से सेवा करता रहुंगा।

आरबीसी 6-4 के तहत 92 लाख की सहायता राशि मंजूर

नन्दू यादव/ सूरजपुर भारत भास्कर न्यायालय अपर कलेक्टर राजस्व शाखा द्वारा आरबीसी (राजस्व पुस्तक परिपत्र) 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा व दुर्घटना से पीड़ित 23 परिवारों को 92 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई। इस पर प्रकाश डालते हुए अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने बताया कि प्राकृतिक प्रकोपों से हुई फसल क्षति, मकान क्षति, जनहानि, पशु हानि एवं अन्य क्षतियों के लिए छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इसी के तहत जिले के पांच तहसील सूरजपुर, लाटोरी, रामानुजनगर, प्रेमनगर, व प्रतापपुर के 23 मृतकों के निकटतम वारिसानों को 92 लाख की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इन 23 व्यक्तियों की मृत्यु का मुख्य कारण सर्पदंश व पानी में डूबा था।

मुख्यमंत्री ने कहा-हमारी सरकार ने पूरे प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण बनाया है

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री स्कूल जतन के 446 कार्यों का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती-2023 नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में 1318 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया

कवर्धा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शिक्षक दिवस 5 सितम्बर के अवसर पर पूरे प्रदेश सहित कबीरधाम जिले शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर और सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत 446 कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण किया। शिक्षक दिवस के अवसर राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत पूर्ण हो चुके 7 हजार 688 मरम्मत कार्य एवं 464 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण का लोकार्पण किया, जिसमें जिले के 446 कार्य भी शामिल है।वहीं मुख्यमंत्री श्री बघेल के साथ रायपुर से स्कूल शिक्षा मंत्री श्री रविन्द्र चौबे भी मौजूद रहे। प्रमुख सचिव डॉ आलोक शुक्ला मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत हुए विकास कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कबीरधाम जिले से इस वर्चुअल लोकार्पण एवं शिक्षक दिवस कार्यक्रम में कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, शिक्षा विभाग सहायक संचालक श्री यूआर चंद्रकार, श्री विनोद श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती-2023 नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में 1318 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने उपस्थित सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि हमारी सरकार की शिक्षा नीति की वजह से पूरे प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में एक उत्साह और सकारात्मक वातारण बना है। उन्होने कहा कि वर्ष 2018-19 से पहले प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम की एक भी शासकीय स्कूल नहीं थी। हमारे राज्य के ग्रामीण अंचलों में रहने वाले बच्चें अंग्रेजी माध्यम से पढ़ना और आगे बढ़ना तो चाहते थे,लेकिन नीजि स्कूलों की अधिक फीस की वहज से बच्चें आगे नहीं पढ़ पाते थे। हमने उनके सपनों को साकार करने के लिए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट स्कूल खोलने की नीव रखीं। पूरे प्रदेश में 727 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम से उत्कृष्ट स्कूल खोला गया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने भेंट-मुलाकात के केशकाल के धनोरा गांव के कार्यक्रम का स्मरण करते हुए कहा कि एक बार वहां जाने का मौका मिला था। किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों से चर्चा कर रहा था। तक तभी एक छात्रा मुझसे मिली, उसने मुझसे कहा मुख्यमंत्री जी, आपने स्वामी आत्मानंद स्कूल अच्छे बना दिये। हमारा स्कूल भी अच्छा कर दीजिए। मैंने छात्रा को आश्वस्त किया कि हम सभी स्कूलों को बेहतर बनाएंगे। इसके बाद पूरे प्रदेश के स्कूल की स्थिति ठीक करने के लिए मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना बनाई, आज प्रदेश के स्कूल इस योजना से बेहतर और शिक्षा के लिए सकारात्मक वतावरण तैयार हो रहा है। उन्होने कहा कि कोरोना काल में पढ़ाई का जो लॉस हुआ है, वह पूरे देश में सबसे कम हमारे छत्तीसगढ़ को हुआ है। मैं आप सभी को बधाई देता हूँ, आप ऐसे शिक्षक बनेंगे जिनका वर्तमान भी सुरक्षित है और भविष्य भी। आपको ओल्ड पेंशन योजना का भी लाभ मिलेगा। इसलिए मैं आप सभी से कहता हूं कि आपको छत्तीसगढ़ का भविष्य सुरक्षित करना है। मैं समझता हूं इतनी बड़ी संख्या स्कूलों के मरम्मत एवं कक्षों के निर्माण कार्य का लोकार्पण पहली बार हुआ है। यहां बताया गया कि इन स्कूल भवनों के रंग-रोगन के लिए गौठान में बने 1 लाख 98 हजार 510 लीटर गोबर पेंट का उपयोग किया गया है, जिसकी कुल कीमत 4.76 करोड़ रुपए है।

श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में सृष्टि के कुशल महाप्रबन्धक हैं

स्वदेश तिवारी, स्थानीय संपादक

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण राष्ट्रनायक हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक प्रभावी एवं सफल मैंनेजमेंट गुरु वाले लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिका के शासक भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। कुशल प्रबंधन सोच के कारण ही समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

सही प्रबंधन के बिना किसी भी कार्य से श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त नहीं किये जा सकते। जिस तरह जीवन के प्रत्येक कार्य में सुनिश्चित सफलता के लिये सही प्रबंधन अति आवश्यक है, उसी तरह सही ढंग से जीने एवं सार्थक जीवन के लिये भी सही प्रबंधन जरूरी है। श्रीकृष्ण ने मैंनेजमेंट गुरु की भूमिका निभाते हुए सफल एवं सार्थक जीवन जीने के प्रबंधन सूत्र दिये, जो सदियों से सम्पूर्ण मानवजाति का पथ-दर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण के प्रबंधन नीति की खासियत यह है कि उनकी भावना और विवेक एक दूसरे का पूरक है। मैनेजमेंट गुरु श्रीकृष्ण का वह व्यावहारिक कौशल ही था कि अत्याचारी कंस को सबसे पहले आर्थिक रूप से कमजोर किया गया और फिर उसका वध किया। पूरे महाभारत युद्ध के दौरान कहीं भी श्रीकृष्ण ऊंहापोह की स्थिति में नजर नहीं आये। एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों, विशेषताओं एवं कौशल का समावेश तभी हो सकता है, जब वह प्रबंधन में निष्णात हो। श्रीकृष्ण एक ऐसा ही आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात् मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि

संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

भगवान श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र के अनुसार श्रेष्ठ व्यक्ति को हमेशा अपने पद और गरिमा के अनुसार ही व्यवहार या आचरण करना चाहिए। क्योंकि वह लोगों के लिए आदर्श हैं और वो जैसा करेंगे लोग भी वैसा ही अनुसरण करेंगे। कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो गीता के उपदेश दिये थे, वे मैंनेजमेंट के अमरसूक्त हैं। मोहवश अर्जुन ने हथियार त्याग दिए थे, तब गीता के उपदेशों के जरिये ही श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्मानुसार कर्म करने की प्रेरणा दी। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण ने जो उपदेश दिए थे, इनमें मैनेजमेंट के सूत्र छिपे हुए हैं। इस सूत्रों को समझकर कोई भी इंसान अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलावों से उन्नति कर सकता है। श्रीकृष्ण के अनुसार जिस मनुष्य के मन में किसी प्रकार की इच्छा या कामना होती है, उसे कभी सुख शांति प्राप्त नहीं होती। इसलिए सुख-शांति हासिल करने के लिए इंसान को सबसे पहले अपनी इच्छाओं का त्याग करना होगा। हम कर्म के साथ उसके आने वाले परिणाम के बारे में सोचते हैं जो हमें कमजोर बनाता है। लेकिन हमें परिणाम की चिंता न करके अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, जिससे हम अपने कर्तव्य का पालन कर सकें, यह प्रबंधन का आदिसूत्र हैं। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत् में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान् क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल-निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है- हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण का प्रशासनिक एवं राजनीतिक चरित्र अत्यन्त अलौकिक है, उनके समग्र विचार दर्शन का संक्षेप में केवल एक संदेश है- कर्म। कर्म के माध्यम से ही समाज की अनिष्टकारी प्रवृत्तियों का शमन करके उनके स्थान पर वरेण्य प्रवृत्तियों को स्थापित करना संभव होता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व असीम करुणा से परिपूर्ण है। लेकिन अनीति और अत्याचार का प्रतिकार करने वाला उनसे कठोर व्यक्ति शायद ही कोई मिले। जो श्रीकृष्ण अपने से प्रेम करने वाले के लिए नंगे पांव दौड़े चले जाते थे, वही श्रीकृष्ण दुष्टों को दण्ड देने के लिए अत्यंत कठोर और निर्मम भी हो जाते थे। कब प्रेम करना और कब घृणा, कब कठोर होना और कब करुणामय-यह उचित प्रबंधन से ही संभव है।

भगवान श्रीकृष्ण से प्रेम के साथ-साथ जीवन के सबसे खराब दौर में कैसे अच्छा परिणाम पाएं इसका गुण भी हम लोग सीख सकते हैं। अपने जन्म से लेकर लीला समाप्ति तक, अपने पूरे अवतार के समय तक श्रीकृष्ण ने कई संघर्षों को सुलझाया और देखा भी। परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की कला सिर्फ श्रीकृष्ण में ही थी। श्रीकृष्ण का यह प्रबंधन कौशल एवं समय-नियोजन ही था कि उन्होंने 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। श्रीकृष्ण ने वैदिक कलाओं के साथ-साथ दूसरी कलाएं भी सीखी थीं। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व का रचनात्मक विकास हो। श्रीकृष्ण ने 64 कलाओं के साथ-साथ संगीत, नृत्य व युद्ध की भी कला भी सीखी थी। एक बार पांडवों के राजसूय यज्ञ में शिशुपाल श्रीकृष्ण को अपशब्द कहता रहा। वह छोटा भाई था, लेकिन बोलते-बोलते उसने सारी मर्यादाएं तोड़ दीं। सभा में मौजूद सभी लोग क्रोधित थे लेकिन श्रीकृष्ण शांत थे और मुस्कुरा रहे थे। एक बार श्रीकृष्ण शांति दूत बनकर दुर्योधन के पास गए तो उसने श्रीकृष्ण का बहुत अपमान किया। श्रीकृष्ण शांत रहे। इसलिए अगर हमारा दिमाग स्थिर है और मन शांत है तभी हम कोई सही निर्णय ले पाएंगे, कठिन स्थितियों को पार कर पाएंगे। गुस्से में हमेशा नुकसान होता है। उचित प्रबंधन के माध्यम से हम यह सीख सकते हैं और श्रीकृष्ण इसके प्रयोक्ता थे।

श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पर्याय है। उनके आदर्शों के माध्यम से ही विश्व ने भारत को जाना है। उनके आदर्शों की पुनर्प्रतिष्ठा से विश्व फिर से भारत को जानेगा। राजनैतिक सूक्ष्म दृष्टि, दुष्टों, राष्ट्रद्रोहियों, अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों का दलन, वचन पालन का संकल्प, राष्ट्रहितार्थ आत्मसमर्पण का व्रत, निष्पाप लोगों की मुक्ति, विषमताओं का उन्मूलन, विभेदों में सामंजस्य, परस्पर शत्रुता का निवारण, स्वयं स्वीकृत आत्मसंयम, राष्ट्र कार्यों में सबका सहयोग, राजसत्ता पर धर्मसत्ता का अंकुश और इन सबकी पूर्ति के लिए सत्ता का भी त्याग इत्यादि श्रीकृष्ण के प्रबंधन-गुण भारत के राष्ट्रीय जीवन एवं सांस्कृतिक मूल्य हैं। वास्तव में श्रीकृष्ण उस कोटि के चिंतक थे, जो काल की सीमा को पार कर शाश्वत और असीम तक पहुंचता है। जब-जब अनीति बढ़ जाती है, तब-तब श्रीकृष्ण जैसे राष्ट्रनायक को अवतीर्ण होना पड़ता है। जैसा कि स्वयं श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है- यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। अर्थात अन्याय के प्रतिकार के लिए ही राष्ट्रनायक को जन्म लेने की आवश्यकता पड़ती है।

श्रीकृष्ण अनेक प्रबंधन विशेषताओं के समवाय थे, वे ग्रामीण संस्कृति के पोषक बने हैं। उन्होंने अपने समय में गायों को अभूतपूर्व सम्मान दिया। वे गायों एवं ग्वालों के स्वास्थ्य, उनके खान-पान को लेकर सजग थे। उन्होंने जहां ग्वालों की मेहनत से निकाला गया माखन और दूध-दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया वही इन अमूल्य चीजों को 'कर' के रूप में कंस को देने से रोका। वे चाहते थे कि इन चीजों का उपभोग गांवों में ही हो। श्रीकृष्ण का माखनचोर वाला रूप दरअसल निरंकुश सत्ता को सीधे चुनौती तो था ही, लेकिन साथ ही साथ ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देना भी था। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

संपादकीय

तमाम शोर के बावजूद

ऐसे आंकड़े सामने आए हैं, जो सवाल उठाते हैं कि जिस तीव्रतम गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था का शोर है, उसका संबंध भारतीय आबादी के किस और कितने बड़े हिस्से से है? और जो बाकी आबादी है, उसका इस अर्थव्यवस्था में कितना दांव है? शोर यह है कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था का अगला हॉट स्पॉट है। चीन के गिरने और भारत के उठने की कहानियों से मीडिया पटा हुआ है। जबकि उसी समय हर कुछ दिन पर ऐसी सच्चाइयां सामने आती हैं, तो हमारा सामना सिक्के के दूसरे पहलू से करा जाती हैं। ऐसे आंकड़े सामने आते हैं, जो सवाल उठाते हैं कि जिस तीव्रतम गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था का शोर है, उसका संबंध भारतीय आबादी के किस और कितने बड़े हिस्से से है? और जो बाकी आबादी है, उसका इस अर्थव्यवस्था में कितना दांव है? ऐसे ताजा आंकड़े ऐसे ही आंकड़े विश्व खाद्य सुरक्षा एवं पोषण रिपोर्ट-2023 ने पेश किए हैं। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों से मिल कर तैयार करती है। जाहिर है, इस रिपोर्ट में आधिकारिक आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। ताजा रिपोर्ट 2021 के आंकड़ों पर आधारित है। इसमें बताया गया है कि भारत की 74 प्रतिशत आबादी स्वस्थ आहार जुटा पाने में अक्षम है। खाद्य की बढ़ती महंगाई के कारण लोगों के लिए गुजरे पांच वर्षों में स्वस्थ आहार ले पाना अधिक कठिन हो गया। 2017-18 की तुलना में 2019-21 में एशिया में ऐसे आहार की महंगाई 9.1 प्रतिशत बढ़ी। नतीजा यह है कि एशिया और उसके बीच भी दक्षिण एशिया में ऐसे लोग सर्वाधिक संख्या में हो गए हैं, जो स्वस्थ आहार से वंचित हो गए हैं। दुनिया के स्तर पर देखें, तो इस सिलसिले में भारत से ज्यादा खराब स्थिति सिर्फ नेपाल, पाकिस्तान या इथियोपिया जैसे देशों की है। प्रश्न यह है कि जिस देश की तीन चौथाई आबादी को स्वस्थ आहार ना मिलता हो, वह किस तरह के मानव विकास और स्वस्थ श्रमशक्ति की अपेक्षा रख सकता है? यह हकीकत इस बात पर रोशनी डालती है कि आर्थिक विकास और धन निर्माण होने के साथ ट्रिकल डाउन सिद्धांत के तहत समृद्धि सब तक पहुंचने का जो वादा किया गया था, वह झूठा साबित हुआ है। नतीजतन, अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों और आम जन की जिंदगी में आज शायद ही को संबंध रह गया है।

विपक्ष के लिए मौका है विशेष सत्र

हरिशंकर व्यास

पता नहीं केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने संसद का विशेष सत्र बुलाने का फैसला करने से पहले इस पर विचार किया या नहीं कि विपक्ष भी इसे मौके में तब्दील कर सकता है। संसद के विशेष सत्र से विपक्ष को सरकार पर हमला करने का मौका और मंच मिलेगा। अगर किसी भी मुद्दे पर चर्चा होती है तो सरकार विपक्षी पार्टियों के सांसदों को बोलने से नहीं रोक सकती है। अगर बोलने से रोकती है तो विपक्ष को दबाने और लोकतंत्र कमजोर करने का नैरेटिव बनाने में विपक्ष को मदद मिलेगी। ध्यान रहे मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव पर या उससे पहले बजट सत्र में राष्टपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषण की काफी तारीफ हुई थी और सोशल मीडिया के अलग अलग प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में लोगों ने उसे देखा था। दोनों सदनों में विपक्ष के दूसरे नेताओं के भाषण भी चर्चा में रहते हैं।

परिस्थितियों के कारण विपक्ष के पास इस समय कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर सरकार घिरेगी। संसद सत्र में विपक्षी पार्टियां इन मुद्दों का जम कर इस्तेमाल कर सकती हैं। एक मुद्दा अडानी समूह का है। विपक्ष इस साल जनवरी में संसद के बजट सत्र के समय से इस मुद्दे को उठा रहा है। जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी तभी विपक्षी पार्टियों ने इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग की थी। अब राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस करके फिर से कहा है कि सरकार अडानी समूह की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी का गठन करे। विशेष सत्र में विपक्ष जेपीसी की मांग लेकर हंगामा करेगा। अगर संसद में यह मुद्दा उठाने की इजाजत नहीं दी गई तो संसद भवन के परिसर में इस मुद्दे पर प्रदर्शन होगा।

पिछली बार सरकार यह कहते हुए जेपीसी का गठन टाल रही थी कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच के लिए विशेषज्ञों की एक कमेटी बना दी थी। साथ ही बाजार नियामक सेबी को भी जांच करने के लिए कहा था। अब विशेषज्ञों की कमेटी की रिपोर्ट भी आ गई है और पांच महीने के जांच के बाद सेबी ने भी अपनी रिपोर्ट दे दी है। इसके बाद अडानी समूह को लेकर नई रिपोर्ट आई है। इसमें कृत्रिम तरीके से शेयरों के दाम बढ़ाने के साथ-साथ कई एजेंसियों की मिलीभगत की ओर भी इशारा किया गया है। राहुल गांधी ने भी अपनी प्रेस कांफ्रेंस में सवाल उठाया कि सेबी के जिस अधिकारी ने अडानी समूह की जांच की वे बाद में कैसे अडानी समूह की मीडिया कंपनी में निदेशक बन गए? सो, ऐसा लग रहा है कि विशेष सत्र बुला कर सरकार ने विपक्ष को यह मुद्दा उठाने का मौका दे दिया है।

चीन का मुद्दा सरकार को बहुत भारी पड़ सकता है। संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने से ठीक पहले चीन ने अपना आधिकारिक नक्शा जारी किया, जिसमें उसने अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बताया। भारत की ओर से कूटनीतिक प्रतिरोध दर्ज कराने के बाद चीन के विदेश मंत्री के प्रवक्ता ने बयान दिया तो कहा कि भारत इस पर ओवररिएक्ट कर रहा है, अरुणाचल और अक्साई चिन कानूनी रूप से चीन का हिस्सा हैं। सोचें, यह विश्वगुरू भारत की हकीकत है! इसके बाद यह भी खबर आई कि चीन अक्साई चिन में सुरंग बना रहा है। राहुल गांधी ने चीन के मुद्दे पर सरकार को घेरा और कहा कि चीन भारत की जमीन हड़प रहा है लेकिन सरकार चुपचाप बैठी है। सो, चीन का मुद्दा भी विपक्षी पार्टियां संसद में जोर-शोर से उठाएंगी। इसी तरह महंगाई का मुद्दा है। संसद का मानसून सत्र खत्म होने के बाद जुलाई महीने की खुदरा महंगाई का डाटा आया, जिसमें बताया गया कि महंगाई दर 7.7 फीसदी से ज्यादा हो गई है। यह रिर्जव बैंक की ओर से तय की गई छह फीसदी की अधिकतम सीमा से काफी ज्यादा है। खराब मानसून और अल नीनो की वजह से खरीफ की फसल प्रभावित हुई है। इसका असर आने वाले दिनों में दिखेगा। तभी सरकार महंगाई काबू में करने और अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चावल के निर्यात पर पाबंदी लगा रही है। प्याज के निर्यात को भी सीमित किया गया है। सो, खाद्यान्न को लेकर सरकार की नीतियां और महंगाई का मुद्दा भी विपक्ष उठाएगा, जिस पर सरकार के लिए जवाब देना मुश्किल होगा। इसके अलावा मणिपुर का मुद्दा है। जिस दिन केंद्र सरकार ने विशेष सत्र बुलाने का ऐलान किया उसी दिन राज्य में कई जगह गोलीबारी की खबर आई और एक लोकप्रिय लोक गायक सहित पांच लोग मारे गए। सरकार शांति बहाली का दावा कर रही थी लेकिन गुरुवार की घटना ने सरकार की पोल खोल दी। जैसे तैसे राज्य सरकार ने विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाया था लेकिन वह सत्र भी नहीं चल सका। कुकी-जोमी समुदाय के विधायकों ने इसका बहिष्कार किया। सरकार ने हंगामे की वजह से बिना सदन में पेश किए एक प्रस्ताव स्वीकार करने का ऐलान कर दिया, जिसमें बातचीत और संवैधानिक तरीके से विवाद सुलझाने की बात कही गई है।

ड्रोन हमलों से रूस में त्राहिमाम!

श्रुति व्यास

इस तीसअगस्त को यूक्रेन ने रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। यह हमला रूस के छह अलग-अलग इलाकों में किया। इसे यूक्रेन के रूस पर हमलों में से सबसे दुस्साहसी माना जा रहा है। इसे 'परीक्षण उड़ान' बताया गया था क्योंकि ड्रोन का जो झुंड रूस भेजा गया था, उसमें कई प्रोटोटाईप शामिल थे। हालांकि इसके बावजूद इन ड्रोनों ने अपना काम एकदम ठीक तरह से किया। सैन्य अड्डों के अंदर विस्फोट हुए, कई मौतें हुई और स्थानीय सूत्रों के अनुसार घायल सैनिकों को बड़ी संख्या में अस्पताल ले जाया गया। पिछला हफ्ता क्रेमलिन के लिए बुरा था। मास्को पर एक दर्जन से अधिक ड्रोन हमले हुए और कई बड़े हवाईअड्डों को कई बार बंद करना पड़ा. इसके साथ ही, हथियारों के कारखानों, हवाईपट्टियों, ईधन भंडारगृहों और रेलवे नेटवर्क में कई विस्फोट हुए। इन सबकी सफाई देना क्रेमलिन के लिए मुश्किल हो रहा है। ये हमले, जो सीमा से बहुत भीतर हुए, यूक्रेन के लिए प्रचार का हथियार हैं, हालांकि कीव ने इनमें उसका हाथ होने की बात यदा कदा ही स्वीकार की है। जिन महत्वपूर्ण स्थानों पर आधुनिकतम टेक्नोलॉजी युक्त जबरदस्त सुरक्षा होनी चाहिए, उन पर सफल हमले रूस के मनोबल के लिए बहुत घातक सिद्ध हो रहे हैं भले ही इनसे युद्ध के जमीनी हालात में कोई बदलाव न हो रहा हो।सोशल मीडिया में आई तस्वीरों में एक विमान नजर आ रहा है जो यूक्रेन में आम नागरिकों पर हुए हमलों में नियमित रूप से प्रयुक्त हो रहे विमानों जैसा है। ऐसे ही विमान का उपयोग रूस के आक्रमण के शुरूआती दिनों में मेरियापोल पर की गई जबरदस्त बमबारी के दौरान अनगाइडेड मिसाईलें गिराने के लिए किया गया था।

यूक्रेन की जासूसी संस्था जिसे जीयूआर के नाम से जाना जाता है, ने खबर दी है कि एक टीयू-22एम3 शनिवार को हुए हमले में 'नष्ट' हो गया और दो अन्य विमानों को नुकसान पहुंचा। रूस के भीतरी इलाकों में यूक्रेन के ड्रोन हमले हाल के महीनों में काफी बढ़ गए हैं, और ये हमले नियमित रूप से मास्को पर भी हुए हैं। इसलिए रूस भविष्य में होने वाले हमलों को रोकने के लिए यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि ये ड्रोन कहां से उड़े थे। यह काफी अजीब है कि यूक्रेन का ड्रोनों के मामले में न तो कोई एकल कमान है और न ही इन्हें हासिल करने का कोई ढांचा है। शासन की कई संस्थाएं, जिनमें सभी जासूसी संस्थाएं शामिल हैं, के अपने-अपने ड्रोन हैं। ऐसा उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार और लालफीताशाही के चलते हो रहा है, और यही वजह है कि मास्को पर कई हमले सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण होने की बजाए ड्रोन खरीदने वाले उच्चाधिकारियों का ध्यान प्रोटोटाईप की ओर आकर्षित करने की कोशिश नजर आते हैं। यूक्रेन के लिए ड्रोन ज़रुरत बन गए हैं। आखिरकार यूक्रेन पर शहरों पर बार-बार बमबारी हुई है जिनमें कई नागरिक मारे गए हैं और उनके रोजी-रोटी के साधन नष्ट हो गए। मास्को पर हमलों का उद्धेश्य मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालना है, ताकि सामान्य रूसियों को जंग की हकीकत का एहसास कराया जा सके। लेकिन यूक्रेन की सेना के भीतरी जानकारों का कहना है कि ज्यादातर हमले तीन माह से जारी जवाबी हमले को अधिक प्रभावी बनाने के लिए किए गए हैं। रूस की व्यापक हवाई सुरक्षा और इलेक्ट्रानिक युद्ध क्षमताओं के चलते किसी भी यूक्रेनी हमले की योजना बहुत बारीकी से बनाई जाना जरूरी है। यूक्रेन ने ऐसे एल्गोरिथम विकसित कर लिए हैं जिनके जरिए उसे कामयाबी हासिल हो रही है। ऐसी खबरें हैं कि सरकार ने केवल ड्रोनों के लिए 1.1 अरब डालर की रकम निर्धारित की है, जो यूक्रेन की दृष्टि से एक बड़ी रकम है।यूक्रेन ने युद्ध को तेज तो कर दिया है मगर वह इस तेजी को कब तक कायम रख पाता है, यह देखना होगा।

श्रीकृष्णः स्वतंत्र मूल्यों के पक्षधर

प्रमोद भार्गव

प्राचीन संस्कृत साहित्य की मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण दस अवतारों में से एकमात्र सोलह कलाओं से निपुण पूर्णावतार थे। कृष्ण को लोक मान्यताएं प्रेम और मोह का अभिप्रेरक मानती हैं। इसीलिए मान्यता है कि कृष्ण के सम्मोहन में बंधी गोपियां अपनी सुध-बुध और मर्यादाएं भूल जाया करती थीं। कृष्ण गोपियों को ही नहीं समूचे जनमानस को अपने अधीन कर लेने की अद्भुत व अकल्पनीय नेतृत्व क्षमता रखते थे। अतएव उन्होंने जड़ता के उन सब वर्तमान मूल्यों और परंपराओं पर कुठाराघात किया, जो स्वतंत्रता को बाधित करते थे। यहां तक कि जिस इंद्र को जल का देवता और तीनों लोकों का अधिपति माना जाता था, उन्हें भी मामूली ग्वाले कृष्ण ने चुनौती दी और उनकी पूजा को ब्रजमंडल में बंद करा दिया। वे कृष्ण ही थे, जिन्होंने कुरुक्षेत्र के रण-प्रांगण में अर्जुन को आसक्ति मुक्त कर्म का उपदेश दिया। संदेश था, आसक्ति रहित कर्म करता हुआ मनुष्य परमात्मा को प्राप्त हो जाता है।

जब कंस के आमंत्रण पर अक्रूर कृष्ण को लेने गोकुल आए तो कृष्ण के अनुराग में लिप्त गोप-गोपियों में हाहाकार मच गया। क्योंकि कंस की दुष्टता से सब परिचित थे और ग्यारह वर्षीय कृष्ण सबको नादान लगते थे। लेकिन कृष्ण ने आमंत्रण स्वीकार किया और निर्लिप्त भाव से मथुरा के लिए प्रस्थान कर गए। जिस बंसुरी की धुन से कृष्ण गोपियों को लालायित किया करते थे, उस बंसुरी को भी गोपियों को दे गए। अपने बाल सखाओं और गोपियों को छोड़ते वक्त कृष्ण को भी दुख था, लेकिन वे कर्तव्य के दायित्व बोध से संचालित हो रहे थे। गोया, निर्लिप्त भाव का प्रगटीकरण आवश्यक था। यदि कृष्ण मोह के बंधन में बंधकर रह जाते तो कंस के दुराचारी शासन से ब्रजमंडल को मुक्ति नहीं मिलती। अर्थात यहां के लोग परतंत्रता ही झेलते रहते। कृष्ण की इस निर्लिप्ता में संदेश अंतर्निहित है कि अपनी स्वतंत्रता के लिए न केवल सचेत रहना चाहिए, अपितु जरूरत पड़ने पर क्रूरतम इरादों से भी संघर्ष के लिए तत्पर रहना चाहिए, क्योंकि संघर्ष के बिना स्वतंत्रता न तो प्राप्त करना संभव है और न ही उसकी रक्षा करना संभव है। यहां कृष्ण यह भी संदेश देते हैं कि शासक कोई भी हो, समय कितना भी विपरीत हो, विजय हमेशा सत्य और धर्म की होती है। जब कृष्ण का शिशु रूप में अवतरण हुआ तब उनके जन्म के साथ ही हत्या की प्रत्यक्ष भूमिका रच दी गई। उनके छह नवजात भ्राताओं की माता-पिता की खुली आँखों के सामने ही एक-एक कर हत्या कर दी गई। उनकी जान बचाने के लिए भी एक निर्दोष सद्यजात बालिका को बलि-वेदी की भेंट चढ़ना पड़ा। लेकिन कृष्ण के जन्म के साथ ही व्यक्तिगत स्वतंत्रता का नाद होता है। कारागार के एक-एक कर ताले टूटते चले जाते हैं। प्रहरी नींद के आगोश में आ जाते हैं। पिता वसुदेव कृष्ण को डलिया में रखकर निनाद करती यमुना को पार कर गोकुल में नंद-यशोदा के घर छोड़ आते है। यह कहानी इस बात कि प्रतीक है कि सद्भावनाओं पर प्रतिबंध स्थाई नहीं रहते। शासक भले ही कितना ही शक्तिशाली हो, एकदिन अन्यायरूपी बंधन के तालों को टूटना ही पड़ता है। कृष्ण को आयु के अनुपात से कहीं ज्यादा सतर्कता, चैतन्यता और संघर्ष के दौर से गुजरना पड़ा! ऐसे विकट और विषाक्त परिवेश में अपनी, अपने समाज की प्राण रक्षा के लिए छल-कपट और लुका-छिपी के अनेक खेल, खेलने पड़े। यदि ये खेल कृष्ण नहीं खेलते तो क्या बच पाते? विस्मय नहीं कि जब लोकतंत्र से राजतंत्र की भिड़ंत होती है, तो जड़ हो चुकी स्थापित मान्यताओं के परिवर्तन की माँग उठती ही है। प्राण खतरे में डालकर कठोर संघर्ष करना ही पड़ता है। इतिहास साक्षी है, इन्हीं संकट और षड्यंत्रों से सामना करने वाले साहसी ही ईश्वर, नायक और नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। कृष्ण बाल जीवन से ही जीवनपर्यंत समाजिक न्याय की स्थापना और असमानता को दूर करने की लड़ाई इंद्रदेव व कंस की राजसत्ता से लड़ते रहे। वे गरीब की चिंता करते हुए खेतीहर संस्कृति और दुग्ध क्रांति के माध्यम से ठेठ देशज अर्थव्यवस्था की स्थापना और विस्तार में लगे रहे। सामारिक दृष्टि से उनका श्रेष्ठ योगदान भारतीय अखण्डता के लिए उल्लेखनीय है। इसीलिए कृष्ण के किसान और गौपालक कहीं भी फसल व गायों के क्रय-विक्रय के लिए मंडियों में पहुंचकर शोषणकारी व्यवस्थाओं के शिकार होते दिखाई नहीं देते? कृष्ण जड़ हो चुकी उस राज और देवसत्ता को भी चुनौती देते हैं, जो जन विरोधी नीतियां अपनाकर लूट-तंत्र और अनाचार का हिस्सा बन गई थी? भारतीय लोक के कृष्ण ऐसे परमार्थी थे, जो चरित्र भारतीय अवतारों के किसी अन्य पात्र में नहीं मिलता।

कृष्ण का पूरा जीवन समृद्धि के उन उपायों के विरुद्ध था, जिनका आधार लूट और शोषण रहा। शोषण से मुक्ति, समता व सामाजिक समरसता से मानव को सुखी और संपन्न बनाने के गुर गढ़ने में कृष्ण का चिंतन लगा रहा। इसीलिए कृष्ण जब चोरी करते हैं, स्नान करती स्त्रियों के वस्त्र चुराते हैं, खेल-खेल में यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए कालिया नाग का मान-मर्दन करते हैं तो उनकी ये सब चंचलताएं रूपी हरकतें अथवा संघर्ष उत्सवप्रिय हो जाते हैं। पुरुषवादी वर्चस्ववाद ने धर्म के आधार पर स्त्री का मिथकीकरण किया। इन्द्र जैसे कामी पुरुषों ने स्त्री को स्त्री होने की सजा उसके स्त्रीत्व को भंग करके दी। देवी अहिल्या के साथ छलपूर्वक किया गया दुराचार इसका शास्त्र सम्मत उदाहरण है। आज नारी नर के समान स्वतंत्रता और अधिकारों की मांग कर रही है, लेकिन कृष्ण ने तो औरत को पुरुष के बराबरी का दर्जा द्वापर युग में ही दे दिया था। राधा विवाहित थीं, लेकिन कृष्ण की मुखर दीवानी थी। ब्रज भूमि में स्त्री स्वतंत्रता का परचम कृष्ण ने फहराया। जब स्त्री चीरहरण (द्रौपदी प्रसंग) के अवसर आया तो कृष्ण ने चुनरी को अनंत लंबाई दी। स्त्री संरक्षण का ऐसा कोई दूसरा उदाहरण दुनिया के किसी अन्य साहित्य में नहीं है। इसीलिए वृंदावन में यमुना किनारे आज भी पेड़ से चुनरी बांधने की परंपरा है। जिससे आबरू संकट की घड़ी में कृष्ण रक्षा करें। सामाजिक जीवन में कृष्ण स्त्री स्वतंत्रता के इतने प्रबल समर्थक थे कि उन्होंने जब अपनी बहन सुभद्रा के मन में अर्जुन के प्रति अनुराग का अनुभव किया तो बड़े भाई बलराम की इच्छा के विरुद्ध सुभद्रा को अर्जुन से गंधर्व-विवाह कर लेने की अनुमति दे दी। यही नहीं जब कृष्ण को रुक्मणि का हरण करके विवाह कर लेने का संदेश मिला तो कृष्ण रुक्मणि को भी योद्धाओं के बीच से हर लाए।

कृष्ण युद्ध कौशल के महारथी होने के साथ देश की सीमाओं की सुरक्षा संबंधी सामरिक महत्व के जानकार थे। इसीलिए कृष्ण पूरब से पश्चिम अर्थात मणीपुर से द्वारका तक सत्ता विस्तार के साथ उसके संरक्षण में भी सफल रहे। मणीपुर की पर्वत श्रृंखलाओं पर और द्वारका के समुद्र तट पर कृष्ण ने सामरिक महत्व के अड्डे स्थापित किए। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हमारे यही सीमांत प्रदेश आतंकवादी घुसपैठ और हिसंक वारदातों का हिस्सा बने हुए हैं।

सार-समाचार

दवनसरा स्कूल में मनाया गया ग्रीन स्कूल ड्राईव डे

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर स्वच्छता पखवाड़ा 01 सितम्बर से 15 सितम्बर 2023 के तारतम्य में आज ओड़गी ब्लाक के पूर्व माध्यमिक शाला दवनसरा में स्वच्छता पखवाड़ा अन्तर्गत ''ग्रीन स्कूल ड्राईव डे'' मनाया गया। जिसके अन्तर्गत बच्चों को जल संरक्षण, सिंगलयुज प्लास्टिक का निषेध जैसे विषय पर स्लोगन, पोस्टर, पम्पलेट के साथ रैली निकाला गया। जल के संरक्षण से होने वाले लाभ एवं दूरगामी परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया। बच्चों को जल के उचित उपयोग एवं न्यूनतम खर्च हेतु प्रोत्साहित किया गया, साथ ही यह समझाइश दी गयी कि वे अपने घर में भी अपने माता-पिता को इसके प्रति जागरूक करें। जल की कमी से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में भी जानकारी दी गयी।

जिले के शत प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने 9 को किया जाएगा विशेष शिविर का आयोजन

बालोद। बालोद जिले के शत प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु शनिवार 09 सितंबर को विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में स्वास्थ्य एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री शर्मा ने अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर जिले के शत प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने को कहा है। जिससे कि जिले के शत प्रतिशत नागरिक स्वास्थ्य सुविधाओं के अंतर्गत हेतु शासन की योजना का लाभ ले सकें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक एवं श्री शशांक पाण्डेय सहित जिले के सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना एवं श्री धनवंतरी जेनरिक मेडिकल स्टोर्स के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को नियमित रूप से जेनरिक मेडिकल स्टोर्स का विजिट कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने विधानसभा आम निर्वाचन 2023 की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पिछले आम चुनाव की तुलना में इस वर्ष मतदान की प्रतिशत को बढ़ाने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि पिछले विधानसभा आम निर्वाचन में जिले का मतदान प्रतिशत 82.43 प्रतिशत रहा है, जो कि बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष उसे बड़ाकर शत प्रतिशत करना है। इसके लिए उन्होंने जिले के कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों को चिन्हित कर माइक्रो स्तर पर प्लान बनाने के भी निर्देश दिए सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों को दिए हैं। इसके लिए उन्होंने मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत निरंतर विभिन्न प्रकार के गतिविधियां भी आयोजित करने को कहा। इसके अंतर्गत उन्होंने मतदाताओं से गृह भेंट कर उन्हें अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने के भी निर्देश दिए। श्री शर्मा ने विधानसभा आम निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मास्टर ट्रेनर्स की बैठक आयोजित करने तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण दिलाने के भी निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का की खरीदी सफ्लतापूर्वक सुनिश्चित कराने हेतु किसान पंजीयन के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री घोषणा के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने जिले में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

बालोद जिले के 41 स्कूलों का जीर्णोद्धार के पश्चात् किया लोकार्पण

बालोद। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के नव नियुक्त 1318 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के साथ ही जीर्णोद्धार के पश्चात् प्रदेश के 7688 स्कूलों का लोकार्पण भी किया। इस दौरान श्री बघेल ने बालोद जिले के मरम्मत के पश्चात् सुसज्जित किए गए 541 स्कूलों का लोकार्पण भी किया। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री मुकुंद साव एवं अन्य अधिकारियों ने सयुंक्त जिला कार्यालय बालोद के एनआईसी कक्ष में उपस्थित रहकर कार्यक्रम में अपनी वर्चुअली भागीदारी सुनिश्चित की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत जिले के स्कूलों मरम्मत कर नए स्वरूप में सुसज्जित किया गया। जिले के इन सभी स्कूलों को लगभग 63 लाख रुपये की लागत राशि के गोबर पेंट से पोताई भी कराया गया है।

टीबी मुक्त पंचायत पहल पर कार्यशाला

स्वस्थ गांव की परिकल्पना को साकार करने टीबी मुक्त पंचायत जरूरी...कलेक्टर

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जिला के अन्तर्गत टीबी मुक्त पंचायत पहल पर कार्यशाला एवं जिला टीबी एलिमिनेशन टास्क फोर्स (टीबी फोरम) की द्वितीय बैठक का आयोजन संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में कलेक्टर द्वारा पोलियो उन्मूलन की भांति क्षय उन्मूलन की बात रखी गयी। कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त 487 ग्राम पंचायत को विभागों के पारस्परिक सहयोग से कार्ययोजना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से 24 मार्च 2024 तक क्षय मुक्त करने हेतु कार्य निर्देशित किया गया। शत प्रतिशत संभावित क्षय मरीजों की जांच, औषधियों की उपलब्धता, मरीज के परिवार के सदस्यों को टीपीटी एवं निक्षय मित्र के माध्यम से रोगियों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार देने हेतु क्षय विभाग को निर्देशित किया गया। सुपोषण योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा गरीब मरीजों को लाभान्वित करने के लिए लिए जिला महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस.सिंह ने क्षय रोग को गंभीर व जानलेवा बीमारी बताया। इस रोग के मरीज बीमारी से दुर्बल हो जाते है। नाखून, दांत व बाल छोड़कर शरीर के प्रत्येक हिस्से को टीबी बीमारी नुकसान पहुंचा सकता है। यह बीमारी हवा के माध्यम से संक्रमित मरीज के छींकने व खांसने से फैलता है। क्षय होने की संभावना कम उम्र के बच्चों, तम्बाकू का सेवन करने वाले व शुगर के मरीज, एड्स पीडित या कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्ति को रहती है। सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में क्षय रोग से संबंधी जांच एवं इलाज पूर्णत: नि:शुल्क है। कार्यशाला में पिरामल स्वास्थ्य से राज्य इकाई के डॉ. फैजल रजा खान द्वारा बताया गया की पंचायती राज्य संस्थाओं द्वारा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु स्वस्थ गांव की परिकल्पना की गयी है। उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा आयुष्मान भारत-हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर एवं ग्राम पंचायतों के सहयोग से टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रयास किये जा रहे है। इन प्रयासों को प्रतिवर्ष मान्य संकेतकों पर मापने एवं सत्यापन कर टीबी मुक्त पंचायत घोषित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. टोप्पो ने कहा की टीबी मुक्त पंचायत पहल के क्रियान्वयन से जिले के समस्त विकासखण्डो एवं पंचायतों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संचार होगा और जिला टीबी मुक्त होने का दावा प्रस्तुत कर सकता है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन गनपत नायक ने बताया की भारत सरकार द्वारा वैश्विक लक्ष्य 2030 से पांच वर्ष पूर्व टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है जो सभी की सहभागिता से ही पूरा किया जा सकता है। समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों में टीबी कार्यक्रम विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसकी निगरानी प्रधान मंत्री कार्यालय से की जा रही है। कार्याशाला में राष्ट्रीय क्षय उन्मूल कार्यक्रम के जिला समन्वयक संजीत सिंह ने वर्ष 2022 और 2023 में जिले में टीबी मरीजों की जानकारी दी और उनको दी जाने वाले सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया साथ ही टीबी उन्मूलन हेतु इस वर्ष किये जा रहे कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया। कार्यशाला में अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर अनुविभागी अधिकारी, समस्त विभाग के जिला अधिकारी, समस्त जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, समस्त खण्ड़ चिकित्सा अधिकारी एवं कार्यक्रम प्रबंधक, एनटीईपी स्टॉफ एवं पिरामल स्वास्थ्य के कर्मचारी सम्मिलित थे।

महासमुंद में रूनियाडीह के छात्र व छात्राएं सरगुजा संभाग का करेंगे प्रतिनिधित्व

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय माध्यमिक शाला रुनियाडीह के छात्र-छात्राओं का चयन राज्यस्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता महासमुंद के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता महासमुंद में 07 सितंबर से 10 सितंबर 2023 के मध्य आयोजित होंगे। जहां अंडर 14 आयु वर्ग के बालिका वर्ग में माध्यमिक शाला रुनियाडीह की छात्रा मयूरी राजवाड़े, नीता राजवाड़े, अंजू राजवाड़े, सुमित्रा, गायत्री सिंह, अनीता राजवाड़े, सुषमा सिंह तथा अंडर- 14 बालक वर्ग में केशवनंद राजवाड़े सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। उक्त सभी बच्चे गत रात्रि अंबिकापुर-दुर्ग गाड़ी से महासमुंद के लिए कन्या शिक्षा परिसर अंबिकापुर के वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक आनंद धर दीवान के नेतृत्व में निकले हैं। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि यह पहला अवसर है, जब संस्था से इतनी बड़ी संख्या में ग्रामीण अंचल के बच्चों का चयन राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए हुआ है। आपको बताते चलें कि गत वर्ष भी अंडर-14 कबड्डी बालिका वर्ग के लिए संस्था से चार खिलाड़ी का चयन हो चुका है। गत माह अंबिकापुर के संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें संस्था से कुमारी बुधियारो राजवाड़े आत्मजा बनारसी राजवाड़े व कुमारी वर्षा सिंह आत्मजा स्वर्गीय नोहर सिंह ने जिले का प्रतिनिधित्व किया था। संस्था से बड़ी संख्या में बच्चों का चयन राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में होने पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम, जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल, मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा) शशिकांत सिंह, सहायक संचालक रविंद्र सिंहदेव, खंड स्त्रोत समन्वयक मनोज मंडल व सहायक खेल अधिकारी शरतेन्दु शुक्ला द्वारा बच्चों को बेहतर खेल का प्रदर्शन करने हेतु शुभकामनाएं प्रदान की गई। ग्राम सरपंच श्रवण सिंह, ओम प्रकाश राजवाड़े, रामसाय राजवाड़े, कामेश्वर राजवाड़े, मो. इजराइल खान संस्था में पदस्थ शिक्षक श्रीमती एम. टोप्पो एवं रिजवान अंसारी द्वारा बच्चों को खेल भावना से खेलने तथा अच्छा व उम्दा खेल प्रदर्शन कर ग्राम एवं संस्था का नाम राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने को प्रयास करने हेतु प्रेरित किया।

सूखाग्रस्त घोषित कर मुआवजा की मांग को लेकर क्षेत्र के किसान ने सौपे ज्ञापन

कम बारिश के चलते किसानो की फसल हुई खराब

कन्हैया तिवारी की रिपोर्ट

गरियाबंद। देवभोग ब्लॉक के समस्त किसान आज क्षेत्र को सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को मुआवजा देने को लेकर बड़ी संख्या में तहसील दफ्तर पहुंचकर ज्ञापन सौपे। यहां यह बता दे की अल्प वर्षा के चलते खेतों में दरारें पड़ने लगे हैं। और फसल का होना मुश्किल हो गया है। जिसके चलते क्षेत्र के किसानों के माथे में चिंता की लकीरें साफ दिख रही है। किसानों का कहना है कि कम बारिश के चलते अभी तक रोपा, बियासी तक नहीं हो पाया है और आने वाला समय में अगर बारिश होती भी है तो फसल का होना मुश्किल है। क्योंकि कई जगह फसल खराब होकर जलने लगा है। इसी के चलते किसानों के माथे पर चिंता साफ दिखाई दे रही है। जिसके कारण आज देवभोग क्षेत्र के समस्त किसान तहसील कार्यालय पहुंचकर इस क्षेत्र को सूखा घोषित कर मुआवजा की मांग को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौपे। अकाल ग्रस्त कर मुवावाजा कि राशी सरकार दे किसानों का कहना है कि शासन प्रशासन को चाहिए की वास्तविक भौतिक सत्यापन करते हुए देवभोग के क्षेत्र को अकाल ग्रस्त घोषित करें और किसानों को तत्काल सूखा राहत राशि प्रदान की जाए। किसानों का यह भी कहना है कि इस क्षेत्र के किसान व्यापारी व शासन से कर्ज लेकर खेती किसानी करते हैं। लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने के चलते धान फसल के अलावा अन्य फसल भी खराब हो चुकी है। किसान कर्ज की बोझ में दबे हुए हैं। वर्तमान में किसानों द्वारा फसल बीमा कराया जा रहा है और अभी भी कई सारे किसान बीमा से वंचित रह गए हैं। इसी बीच देवभोग तहसीलदार गेंदालाल साहू का कहना है कि अभी वर्तमान में पटवारीयो के द्वारा गिरदावरी का कार्य किया जा रहा है। गिरदावरी रिपोर्ट आने के बाद ही रिपोर्ट को उच्च अधिकारियों के पास प्रेषित किया जाएगा ।इसके पहले एक सर्वे रिपोर्ट भी आ चुकी है जिसे हमने उच्च अधिकारी को प्रेषित कर चुके हैं जिससे कि इस क्षेत्र को सुखा आसंकित क्षेत्र के रूप में भी चिन्हाकित किया जा चुका है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने किया डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

बालोद। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने आज अपने प्रवास कार्यक्रम के दौरान डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर अनेक विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके अंतर्गत उन्होंने डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम नारगी में नाली निर्माण, ग्राम बर्रापारा संजारी में सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम आलीवारा में मुक्तिधाम, संबलपुर में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से भेंट मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा आम लोगों की समस्याओं का निराकरण करने हेतु आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने ग्रामीणों एवं आम जनता के मांग के अनुरूप डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को समृद्ध बनाने हेतु हर तरह से जरूरी उपाय सुनिश्चित कर रही है। हमारी सरकार ने किसानों का कर्ज माफकर किसानों को कर्ज की बोझ से मुक्ति दिलाने एवं उन्हें समृद्ध बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने लगातार धान की समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी कर अन्नदाताओं के मेहनत को सम्मान करने का कार्य किया है। श्रीमती भेड़िया ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गौ आधारित कृषि को बढ़ावा देने गांव में आदर्श गौठान का निर्माण कर गौ संरक्षण की दिशा में अविस्मरणीय कार्य किया है। इसके अलावा हमारी सरकार ने वनोपज व दलहन तिलहन का भी समर्थन मूल्य तय कर किसानों को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। श्रीमती भेड़िया ने कहा कि किसान समृद्ध होगा तो छत्तीसगढ़ की समृद्धि बढ़ेगी इस भावना को आत्मसात कर राज्य सरकार के द्वारा हमारे मेहतनकश किसानों को हर तरह से स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं का विशेष व्रत पर्व कमरछठ है फिर भी हमारी महिला बहने बड़ी संख्या में हमें आशीर्वाद देने यहाँ उपस्थित हुई हैं। उन्होंने कमरछठ पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए ग्रामीणों की मंगलमय एवं खुशहाल जीवन की कामना की। उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकासमंत्री ने राणाखुज्जी में बमलेश्वरी मंदिर प्रांगण में सैकड़ों व्रतधारी महिलाओं ने कमरछठ पूजा कर रहे महिलाओं के बीच पहुंचकर सगुरी मैया व भगवान गौरीशंकर को श्रीफल भेंट किया।

पुश्तैनी मकान के लिए बेटे-बहु ने मिलकर कर दी मां की हत्या

दुर्ग। जिले के मोहन नगर थानाक्षेत्र में सोमवार को मिली बुजुर्ग महिला की लाश के मामले में पुलिस ने हत्या के आरोप में महिला के बेटे व बहु को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मोहन नगर थानाक्षेत्र सोमवार शक्ति नगर में सोमवार को एक 80 वर्षीया बुजुर्ग महिला की उसके घर में खून से सनी लाश मिली थी। महिला की पहचान रूखमणि चंद्राकर के रूप में हुई थी। मामले में मोहन नगर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि मृतका का अक्सर अपने बेटे व बहु से विवाद होते रहता था। जिसके चलते पुलिस को पहला शक मृतका के बेटे लखन चंद्राकार तथा बहु द्रौपती चंद्रकार पर था। पुलिस ने दोनों को थाने बुलाकर पुछताछ की तो पहले तो दोनों पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करते रहे पर जब कड़ाई से पुछताछ की गई तो दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। दोनों ने पुलिस को बताया कि पुस्तैनी मकान को लेकर उनके बीच अक्सर विवाद होते रहता था। मृतका अपना मकान अपने बेटे को नही देना चाहती थी जिसे लेकर वह नाराज था तथा रविवार की रात भी इसी बात को लेकर मां- बेटे के बीच विवाद हुआ और बेटे ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मां की बेरहमी से हत्या कर दी।

सेल्फ हेल्फ एजुकेशन एण्ड रिसर्च संस्थान के द्वारा तम्बाकू मुक्त स्वस्थ विद्यालय कार्यक्रम आयोजित

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर पंजीकृत एंव मान्यता प्राप्त संस्था सेल्फ हेल्फ एजुकेशन एण्ड रिसर्च संस्थान के द्वारा तम्बाकू मुक्त विद्यालय कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। उपरोक्त कार्यक्रम नरोत्तम फाउंडेशन एंव सलाम मुंबई के संयुक्त दिशा निर्देश में सम्पन्न किया जावेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित किया गया। जिसमें कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के साथ साथ जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम ललित पटेल के साथ सभी विकासखण्ड के शिक्षा, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक उपस्थित थे। कार्यक्रम में वी. तिर्की उप संचालक पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एंव बाल विकास श्री सी एस सिसोदिया, स्वास्थ्य विभाग से डा. दीपक मरकाम उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत कलेक्टर के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके किया गया। सर्वप्रथम संस्था के संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता द्वारा संचालित कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। तम्बाकू मुक्त विद्यालय कार्यक्रम जिला अंतर्गत आगामी दो वर्षों में 300 विद्यालयों को तम्बाकू मुक्त विद्यालय घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। तंबाकू मुक्त विद्यालय कार्यक्रम शासन की (तम्बाकू एंव अन्य उत्पाद, सिगरेट उत्पाद अधिनियम 2003) के अंतर्गत संचालित किया जावेगा। तम्बाकू मुक्त विद्यालय को नौ बिन्दुओ पर आधारित मानदंड को परिपालन किया जावेगा। नौ मानदंडो को संस्था के द्वारा मास्टर ट्रेनर के माध्यम से सभी विद्यालय में एप के माध्यम से तम्बाकू मुक्त विद्यालय घोषित किया जावेगा। कार्यक्रम के परियोजना संमन्वक श्री मनीष विश्वकर्मा के द्वारा पावर पाइंट के माध्यम से कोटपा एक्ट 2003 के बारे मे प्रस्तुत किया गया।

कलेक्टर ने अपने उदबोधन में बताया कि विद्यालय परिसर में तंबाकू उपयोग होने पर बच्चों के माध्यम से सूचना प्राप्त कर परामर्श के माध्यम से निराकरण करे। नशा के उपयोग से समाज प्रभावित होता है। कही न कही उसके बाद उनके बच्चों को भुगतना पड़ता है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामललित पटेल के द्वारा विद्यालय में तम्बाकू से संबंधित किये जा रहे कार्य के बारे मे जानकारी दी गई। साथ ही साथ संस्था रिसर्च संस्थान के द्वारा प्रारंभ किये गये तम्बाकू मुक्त विद्यालय कार्यक्रम के लिए सराहना के साथ सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास के द्वारा नशा मुक्ति के क्षेत्र मे किये जा रहे कार्य के बारे मे जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में संस्था के प्रबंधन समिति के श्री शिवजी गिरी, कृष्णा झा, प्रियंका सोनी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कलेक्टर के द्वारा तम्बाकू निषेध के लिए उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ ग्रहण कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

जमीन दिलाने के नाम पर महिला से 5 लाख से अधिक की ठगी

रायपुर। जमीन दिलाने के नाम पर महिला से 5 लाख 75 हजार की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया पी.वर्षा राव 24 वर्ष श्रीनगर दुर्गा चौक खमतराई की रहने वाली है। बताया जाता है कि आरोपी राजदीप सरकार जमीन दलाली का काम करता है। आरोपी ने प्रार्थी को गोंदवारा अंडरबृज के पास जमीन दिलाने के नाम पर 5 लाख 75 हजार रुपए ऐंठ लिया और जमीन नहीं दिलाया। जिससे प्रार्थिया ने अपना पैसा वापस मांगा, तो आरोपी टाल मटोल करने लगा। प्रार्थिया की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

आरक्षक ने शराब दुकान के सुपरवाइजर एवं गार्ड को पीटा

रायपुर। भाठागांव शराब दुकान के सुपरवाइजर और गार्ड से पुलिस आरक्षक द्वारा मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी देवेन्द्र साहू 37 वर्ष प्रिति विहार कालोनी अमलेश्वर का रहने वाला है। प्रार्थी भाठागांव शराब दुकान में सुपरवाइजर है। बताया जाता है कि आरोपी आरक्षक क्रमांक 936 विजय कुमार सिदार बंद शराब दुकान में आकर गेट खोलने को कहा, तो गार्ड ने मना किया तो आरोपी ने प्रार्थी व गार्ड से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पैसे के लेन-देन को लेकर युवक को पीटा

रायपुर। नंदन वन रोड में उधार पैसे के लेन-देन को लेकर दो युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मोहम्मद एजाज खान 44 वर्ष आरडीए कालोनी कबीरनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी नंदन वन रोड के तरफ गया था, तभी आरोपी साबिर अली व एक अन्य ने उधार पैसे के लेन-देन को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

स्टंट करते 6 बाइक चालकों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया

रायपुर। मंदिरहसौद व राखी पुलिस की टीम ने सेंधबांधा कायाबांधा नवारायपुर रोड में स्टंट करते 6 बाइक चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार मंदिरहसौद पुलिस को सूचना मिली कि तीन बाइक चालकों ने सेंधबांधा कायाबांधा नवारायपुर रोड में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्टंट कर रहे है। जिससे पुलिस की टीम ने केटीम बाइक क्रमांक सीजी 04 एनडब्लू 6215, अपाचे बाइक क्रमांक सीजी 04 एनएन 3375 व याम्हा बाइक क्रमांक सीजी 04 पीबी 9642 के चालक के खिलाफ धारा 279 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है। इसी तरह राखी पुलिस ने केटीएम बाइक क्रमांक सीजी 04 एलएल 1067, याम्हा आर-15 बाइक क्रमांक सीजी 04 एमपी 5632 व पल्सर बाइक क्रमांक सीजी17 केए 5443 के चालकों के खिलाफ धारा 279 के तहत कार्रवाई की है।

दुकान से नकदी सहित हजारों रुपए के सामान पार हुए

रायपुर। ग्राम कोहका स्थित एगरोल एवं बिरयानी सेंटर दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी सहित हजारों रुपए के घरेलू सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राकेश धृतलहरे 30 वर्ष ग्राम कोहका में एगरोल एवं बिरयानी सेंटर का दुकान चलाता है। बताया जाता है क रात्रि में अज्ञात चोर ने प्रार्थी के दुकान का ताला तोड़कर गल्ले में रखे नकदी 550 रुपए और घरेलू सामान को पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती 40500 रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

रायपुर। ग्राम लखमा मेनरोड में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। वहीं उसका पति गंभीर रूप से घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अरंड निवासी मृतिका भूनेश्वर तारक 45 वर्ष अपने पति बोधन तारक के साथ बाइक में सवार होकर कहीं जा रही थी।

तभी ग्राम लखना के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे भुनेश्वर की मौत हो गई। वहीं उसका पति बोधन तारक गंभीर रूप से घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

जीर्णोद्धार के पश्चात 7 हजार 688 स्कूलों का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर 1318 शिक्षकों को सौंपा गया नियुक्त पत्र

- मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि स्कूल विद्या के मंदिर, इन्हें जीर्णशीर्ण नहीं रखा जा सकता इसलिए मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत स्कूलों का जीर्णोद्धार कराया
- आप बच्चों का भविष्य गढ़ें, हमने ओल्ड पेंशन लागू कर आपका भविष्य सुरक्षित कर दिया है

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर 1318 शिक्षकों को सौंपा नियुक्त पत्र सरगुजा और बस्तर के नवनियुक्त शिक्षकों के लिए आज शिक्षक दिवस का दिन बेहद खास बन गया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। 1318 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे गये। उल्लास से भरे इन शिक्षकों ने नियुक्ति पत्रों को लहराते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें कहा कि स्कूल विद्या का मंदिर है। इन्हें जीर्णशीर्ण नहीं रखा जा सकता। हमने 2100 करोड़ रुपए की मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के माध्यम से जीर्णशीर्ण स्कूलों के जीर्णोद्धार की योजना तैयार की। आज 7 हजार 688 स्कूलों एवं इनमें 464 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण कार्य का लोकार्पण कर रहे हैं। आप जिन स्कूलों से अपने अध्यापन की शुरूआत करेंगे। वे बहुत सुंदर हैं। उनकी पुताई छत्तीसगढ़ में ही बने गोबर पेंट से हुई है। आप सभी इन सुंदर, सुविधापूर्ण स्कूलों में बच्चों का भविष्य गढ़ें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हम गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का संकल्प लेकर आये थे। किसानों की माली हालत खराब थी। वनोपजों का बेहतर दाम नहीं मिल पा रहा था। इलाज के लिए सुविधा नहीं थी। बस्तर में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में स्कूल भवन ध्वस्त कर दिए थे। जब हमने बस्तर फाइटर की नियुक्ति आरम्भ की तो इसके लिए शैक्षणिक योग्यता वाले पात्र युवक नहीं मिल पा रहे थे। आज जो बड़े पैमाने पर स्कूलों का जीर्णोद्धार हुआ है उसके पीछे हमारी शिक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों से कहा कि आप राष्ट्रनिर्माता हैं। समाज को दिशा दिखाते हैं। कोरोना में शिक्षकों ने बहुत अच्छा काम किया। ऑनलाइन पढ़ाई कराई। कोरोना की वजह से पढ़ाई का लॉस हमारे राज्य में सबसे कम रहा। आप सभी ओल्ड पेंशन के हकदार होंगे। आपका भविष्य भी हमने सुरक्षित किया है। आप छत्तीसगढ़ के बच्चों के भविष्य को गढ़ने में अपना पूर्ण योगदान दें। पहले अंग्रेजी स्कूल शासन द्वारा संचालित नहीं होता था। अब यह शासन द्वारा संचालित है। यहां पढ़ाई अच्छी है। इसलिए एडमिशन की भी काफी डिमांड है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने सम्बोधन के दौरान केशकाल के धनोरा गाँव का एक संस्मरण सुनायाद्य उन्होंने कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान एक बच्ची ने मुझसे कहा कि- हमारे स्कूल को भी अच्छा बनवा दीजिए, मैंने कहा बिल्कुल। हम सभी स्कूलों को अच्छा करेंगे।

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का रंगारंग किया गया शुभारंभ

रायपुर। संवाददाता

जिला मुख्यालय बालोद के स्व. सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आज जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा ने आज प्रतिभागियों एवं निर्णायकों को शपथ दिलाकर तथा प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा कर छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बालोद के अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता साहू, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती शारदा सिन्हा, गिरधर सिन्हा, राकेश उइके सहित जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राची ठाकुर, उपसंचालक पंचायत श्री आकाश सोनी के अलावा अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में प्रतिभागी खिलाड़ी एवं आम नागरिकगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 04 एवं 05 सितंबर को आयोजित इस जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में जिले के सभी विकासखण्डों से कुल 1,810 प्रतिभागी खिलाड़ी शामिल हुए हैं। जिला स्तरीय आयोजन के पहले दिन प्रतिभागी खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिता में शामिल होकर अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती सोनादेवी देशलहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं छत्तीसगढ़ सरकार के नेक नियत एवं छत्तीसगढ़िया सोच के फलस्वरूप आज छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का आयोजन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से राज्य में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, रीति-रिवाज, खान-पान, बोली-भाषा के साथ-साथ छत्तीसगढ़िया खेल को भी संरक्षण एवं संवर्धन करने के अलावा इसे देश और दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में समाज के प्रत्येक आयु वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं।

अपने रंगमंच को लोक परंपराओं का आधार दिया हबीब तनवीर ने

रायपुर/ संवाददाता

कला अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद रायपुर द्वारा रजा फाउंडेशन के सहयोग से विख्यात नाटककार और रंग निर्देशक हबीब तनवीर की जन्मशती पर दो दिवसीय शताब्दी समारोह ''रंग हबीब'' का समापन शनिवार को राजधानी रायपुर के सिविल लाइन न्यू सर्किट हाउस स्थित कन्वेंशन हॉल में हुआ। इस दौरान विभिन्न सत्रों में रंगमंच के पुरोधा हबीब तनवीर को याद करते हुए वक्ताओं ने मौजूदा दौर में उनकी प्रासंगिकता पर बात की। समापन दिवस पर ''भारत की खोज वाया हबीब'', ''हबीब की कला'' और ''हबीब का जीवन दर्शन'' विषय पर हुए अलग-अलग सत्रों में वक्ताओं ने हबीब तनवीर के साथ जुड़े अपने संस्मरण भी बताए। स्वागत उद्बोधन देते हुए छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन कला अकादमी के अध्यक्ष योगेंद्र त्रिपाठी ने दो दिवसीय आयोजन की सार्थकता पर बात की। वरिष्ठ पत्रकार ओम थानवी ने हबीब तनवीर के लेखन पक्ष पर अपनी बात रखते हुए कहा कि एक लेखक होने की संभावनाएं उनमें बहुत थी। छोटे-छोटे वाक्यों में बड़े प्रवाह के साथ लिखते थे। उनकी पूरी आत्मकथा में लोक की प्रतिष्ठा है। उनमें समाजवादी सोच किस तरह से विकसित हो रही थी यह उनकी आत्मकथा में देख सकते हैं। वरिष्ठ साहित्यकार अशोक बाजपेयी ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि ऐसे समय में हबीब तनवीर को याद किया जा रहा है, जहां सच को अपनी मुट्ठी में लिये हुए बहुत से लोग हैं। अगले साल लालकिले में क्या होगा इसका सच भी लोग अभी से बता रहे हों ऐसे समय में यह याद रखना जरूरी है कि कलाएं पहले से तय सच का प्रतिरोध करती है। वो अपने को ऐसे सच से अलग रखती है। हबीब तनवीर पर किताब लिख रहे।

नई दिल्ली के आईपी डिपो में अपने फ्लैग-ऑफ समारोह के दौरान इलेक्ट्रिक बसें। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कार्यक्रम के दौरान 400 नई ई-बसों को हरी झंडी दिखाएंगे।

कलेक्टर डॉ भुरे ने किया शुभारंभ

तुलसी में बनेगा प्रशासन के सहयोग से अत्याधुनिक स्टूडियो हमर फ्लिक्स

- जिला प्रशासन द्वारा ग्राम तुलसी में विकसित किया जाएगा डिजिटल स्किल सेंटर

रायपुर/ संवाददाता

जिले के अनूठे यूट्यूबर गांव तुलसी नेवरा में आज यूट्यूबर युवाओं के समूह में खुशी की लहर दौड़ उठी जब कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे उनके बीच उनके गांव पहुंचे और उनके लिए विशेष स्टूडियों ''हमर फ्लिक्स'' का उद्घाटन किया। यह स्टूडियों जिला प्रशासन और सीएसआर हाईटेक द्वारा बनाया गया है। इस अवसर पर बीइंग छत्तीसगढ़िया यूट्यूब चैनल के क्रिएटर श्री ज्ञानेन्द्र शुक्ला सहित अन्य यूट्यूबर्स ने कलेक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा कि जिला प्रशासन की इस सहयोग से हमारे गांव के यूट्यूबर्स को सहयोग मिलेगा और पहले से अच्छी गुणवत्ता की यूट्यूब वीडियों बना सकेंगे। पहले जिस कार्य के लिए हम महानगर जाते थे अब उसे अपने गांव में रहकर ही कर सकेंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ परंपरा-संस्कृति का प्रचार प्रसार अधिक प्रभावी ढंग से कर सकेंगे। कलेक्टर ने यहाँ के युवाओं द्वारा बनाए गए यूट्यूब वीडियो को देखा और लाइक भी किया इस अवसर पर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा कि तुलसी गांव एक हमारे जिले ही नही प्रदेश का अनूठा यूट्यूबर विलेज है।

तेंदूपत्ता संग्राहक जिनके भुगतान लंबित, उनके लिए विभाग ने जारी कर दी है राशि

रायपुर। बंगुरसिया हमीरपुर समिति के तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता खरीदी उपरांत भुगतान नहीं मिल पाने के संबंध में खबर प्रकाशित हुई थी। इसके बारे में जानकारी देते हुए डीएफओ रायगढ़ सुश्री स्टाइलो मंडावी ने बताया कि वर्ष 2023 के तेंदूपत्ता खरीदी का रायगढ़ वन मंडल में 19 करोड़ रुपए का भुगतान होना था। जो कि छ.ग.राज्य लघु वनोपज संघ से सीधे संग्राहकों के खाते में ऑनलाइन किया जाना है। इसके लिए उनकी खाते व अन्य जानकारी के साथ केवाईसी अपडेट किया गया है। रायगढ़ वन मंडल में लगभग 13 करोड़ रुपए की राशि संग्राहकों के खाते में ऑनलाइन डाली जा चुकी है। किंतु ऐसे संग्राहक जो ऑनलाइन भुगतान के लिए अपना केवाईसी अपडेट नहीं करवाए थे उनका ही भुगतान लंबित था। ऐसे संग्राहकों के लिए छ.ग.राज्य लघु वनोपज संघ से विशेष अनुमति लेकर समितियों के खाते में भुगतान की राशि आरटीजीएस से जारी कर दी गई है। करीब 6 करोड़ 11 लाख रुपए इसके लिए जारी किए गए हैं।

पोषक तत्व से भरपूर मात्रा में छत्तीसगढ़ का मिलेट चिक्की...

- अरमुरकसा महिलाएं लगभग 31 लाख रूपए चिक्की कर चुकी विक्रय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की परिकल्पना को कर रहा है साकार बालोद जिले के जनपद पंचायत डौण्डी के ग्रामीण औघोगिक पार्क अरमुरकसा में महिलाएं वृहद पैमाने पर मिलेट चिक्की का बनाने का कार्य कर रही है। जहां गांव की महिलाओं को उनके घर के नजदीक ही काम मिलने से खुश हैं। 13 महिलाएं एक दूसरे से सम्पर्क करके रोजगार से निरंतर जोड़ने का सार्थक कार्य भी कर रही है। महिलाओं को काम मिलने से अपने रूचि के अनुसार कार्य कर रही है। साथ ही परिवार को आर्थिक सहायता भी करने लगी है। बलोद जिले के जनपद पंचायत डौण्डी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि अरमुरकसा रीपा में मिलेट चिक्की उत्पादन इकाई स्थापित होने से गांव की महिलाओं को काम मिल गया है। ग्रामीण औघोगिक पार्क में कुल 41 लाख 574 रूपए का 23.89 टन चिक्की का उत्पादन हुआ है। महिलाओं ने 30 लाख 87 हजार 892 रूपए चिक्की विक्रय कर चुकी हैं चिक्की बनाने वाली महिलाओं को 53 हजार रुपए का शुद्ध लाभ मिल चुका है। महिलाओं इस कार्य को निरंतर कर रही है। चिक्की बनाने वाली समूह की महिला श्रीमती सुनीता निर्मलकर ।

कृषि विश्वविद्यालय में तिलहनी फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

मिलेट मिशन की तर्ज पर तिलहन मिशन शुरू करने की जरूरत

- जलवायु अनुकूल किस्मों एवं प्रौद्योगिकी के विकास से भारत तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा - डॉ. सिंह
- 5 एवं 6 सितम्बर को अलसी तथा कुसुम फसलों पर दो दिवसीय वार्षिक कार्यशाला का होगा आयोजन

रायपुर/संवाददाता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद एवं इंडियन सोसायटी ऑफ आइलसीड रिसर्च, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आज यहां ''तिलहनी फसलों हेतु जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकी एवं मूल्य संवर्धन'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभागार में आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने किया तथा अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस अवसर पर संचालक कृषि एवं पशु चिकित्सा, श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन) डॉ. संजीव गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश भर में तिलहनी फसलों पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिक

शामिल हुए। इस दौरान छत्तीसगढ़ में उत्पादित होने वाली प्रमुख तिलहनी फसलों जैसे अलसी, सोयाबीन, कुसुम, रामतिल, तिल सरसों, मूंगफली, अरंडी आदि पर विशेषज्ञों द्वारा शोध पत्र भी प्रस्तुत किये गए। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा तिलहन फसलों पर प्रकाशित नवीन प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में हमारा देश तिलहन उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं है और हमें बड़ी मात्रा में विदेशों से तेल का आयात करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में तिलहन फसलों का रकबा लगभग साढ़े पांच लाख हैक्टेयर तथा औसत उत्पादकता लगभग 7 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है, जिसे बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विगत कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां बढ़ने के कारण आज फसलों की ऐसी नई किस्में विकसित करने की जरूरत है जो जलवायु परिवर्तन से कम प्रभावित होती हों और बदलती परिस्थितियों में भी अधिक उत्पादन देने में सक्षम हों। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से जलवायु अनुकूल नवीन किस्में तथा इनकी मूल्य संवर्धन प्रौद्योगिकी विकसित करने का आव्हान किया। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट मिशन शुरू होने के बाद छत्तीसगढ़ में लघु धान्य फसलों के उत्पादन में 85 प्रतिशत वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार राज्य सरकार तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

सार-समाचार

दंतेवाड़ा,5वी अनुसूची पेसा लगे क्षेत्रों से आरक्षित सीटों से चुने गए सांसद विधायकों की अनदेखी- पंत

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संजय पंत ने प्रेस नोट जारी कर पांचवी अनुसूची पेसा लगे आरक्षित सीटों से एवं राजनीति पार्टियों के टिक से चुनाव लड़ने वाले के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी की है। आरक्षित सीटों से चुने गए सांसद विधायकों का नाकामी के कारण 5वी अनुसूची पेसा क्षेत्रों में सरकार जानबूझकर विकास नही करवाना चाहती ,जितने भी शासन एवं प्रशासनिक लेवल के शासकीय विभाग है ।उन विभागों में 5वी अनुसूची नियम कहता है इस पेसा क्षेत्र में जितने भी शासकीय विभाग है ।क्वालिफिक्रेशन के आधार पर चपरासी से लेकर क्लेक्टर तक उच्चस्तरीय छान बिन जाति प्रमाण पत्र के आधार पर मूलनिवासी प्रमाण पत्र द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारियों की जिला स्तरीय कार्यलयों में लोकल के आधार पर पदस्त हो ।एवं नये भर्ती प्रक्रिया भी प्रारंभ किया जाये ।ऐसा नियम कहता है ।लेकिन सरकार जानबूझकर कर संवैधानिक नियम का पालन न कर देश द्रोही का परिचय देने जैसा प्रतीत कर रही है? वर्तमान में जितने भी पदस्त बस्तर संभाग पेसा क्षेत्रों में सामान्य क्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रत्येक जिले में पदस्त किये है उन्हें तत्काल सामान्य क्षेत्र में स्थानांतरण किया जाये एवं प्रथम श्रेणी के अधिकारी अनुसूचित जन जाति वर्ग के किसी भी प्रांत के हो उन्हें ही पेसा जिलों में क्लेक्टर या जिला सीईओ के पद पर पदस्त किया जाये। और उन जिला स्तर के अधिकारी जो अनुसूचित जन जाति वर्ग के कार्यक्षमता पदोन्नति योगता क्षमता के आधार पर उन लोगों का प्रथम श्रेणी के आधार पर क्लेक्टर के पद पर पदस्त हो। इस तरह के अधिकारी लोकल स्तर पर पदस्त रहेगें तो भ्रष्टाचारी पर पूर्ण रूप से लगाम रहेगा।

शासकीय पॉलीटेक्निक में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में प्रवेश के अंतिम अवसर, 11 सितम्बर तक कराना होगा रजिस्ट्रेशन

अशोक जैन की रिपोर्ट

कांकेर :- शासकीय पॉलीटेक्निक कांकेर में प्रवेश के अंतिम अवसर के लिए 09 से 11 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन कराना होगा तथा आबंटित सीटों पर 14 एवं 15 सितम्बर को प्रवेष लिये जा सकेंगे। डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स में प्रथम वर्ष में प्रवेश सीजी पीपीटी-2023 या कक्षा 10वीं के आधार पर होगी, जबकि डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स के द्वितीय वर्ष (लैटरल एंट्री) में प्रवेश दो वर्षीय आईटीआई उत्तीर्ण या कक्षा 12वीं उत्तीर्ण भौतिक, गणित और रसायन, बायोलॉजी, तकनीकी व्यावसायिक विषय, एग्रीकल्चर, कम्प्यूटर साइंस, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इंफोर्मेटिक प्रेक्टिस, इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग ग्राफिक्स, एंटरप्रेत्योरषिप, बिजनेस स्टडीज के आधार पर ऑनलाईन काउंसलिंग द्वारा होगी। शासकीय पॉलिटेक्निक के प्राचार्य से मिली जानकारी अनुसार वर्तमान में शासकीय पॉलीटेक्निक कांकेर में मेकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के डिप्लोमा कोर्स संचालित है। विस्तृत जानकारी के लिए संचालनालय तकनीकी शिक्षा रायपुर छत्तीसगढ़ के वेबसाइट www.cgdteraipur.cgstate.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

प्रयास, मेहनत कर अपनी खेल प्रतिभा को बेहतर करें - संसदीय सचिव जैन

जगदलपुर। शहर के लालबाग में आयोजित जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का समापन में संसदीय सचिव रेखचन्द जैन ने कहा कि प्रयास, मेहनत कर अपनी खेल प्रतिभा को बेहतर करें सभी खेलों में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन करें। इस अवसर पर इन्द्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा भी उपस्थित थे।

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खिलाड़ी को अपना हुनर दिखाने के लिए खेलना जरूरी है।अपने-अपने स्तर पर सभी खिलाड़ी जीतकर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुए है,यहाँ से जीतकर संभाग स्तरीय में प्रतिस्पर्धा करेंगे,सभी अपना बेहतर प्रदर्शन करें। सभी खिलाड़ियों को इसके लिए शुभकामनाएं।

लालबाग मैदान में आयोजित जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का समापन में बारिश की वजह से विजेताओं को प्रतीकात्मक रूप से पुरुस्कार का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया। जिसमें गिल्ली डंडा में जगदलपुर विकासखंड, कब्बड्डी पुरूष(0-18 वर्ष)में बस्तर और महिला(18-40वर्ष) में दरभा विकासखंड को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। अन्य खेल विधाओं के विजेताओं को विकासखंड स्तर पर पुरुस्कार वितरण करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे, एसडीएम नंद चौबे, खेल अधिकारी राजेंद्र डेकाटे सहित अन्य अधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित थे।

दिव्यांग शिविर में स्वीप कार्यक्रम के तहत दिव्यांग मतदाताओं को, मतदान के प्रति जागरूक करने पुष्पगुच्छ से किया गया स्वागत

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिल रहा दिव्यांगजनों को लाभ

शिविर में बनाया जा रहा दिव्यांगजनों का प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर)। दिव्यांगजनों के लिए शासन प्रशासन के प्रयासों लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत दूरस्थ अंदरुनी क्षेत्रों में पहुंच दिव्यांगों को सुविधा उपलब्ध कराने निरंतर शिविर जारी है। कलेक्टर श्री विनीत नंदनवार के निर्देशानुसार विकासखंड स्तरीय दिव्यांगजन प्रमाणीकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज कुआकोण्डा विकासखंड अंतर्गत नया डेनेक्स भवन में दिव्यांगजन शिविर का आयोजन प्रात: 10 बजे से संध्या 5 बजे तक किया गया। जिसमें दूरस्थ ग्रामों से बड़ी संख्या में दिव्यांग लोग शिविर का लाभ लेने पहुंचे । इस शिविर स्थल में एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

शिविर में दिव्यांगजनों का प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड बनाया जा रहा है। दिव्यांगजनों के लिए यूडीआईडी कार्ड बनाने से भविष्य में इसका लाभ दिव्यांगजनों को मिल सकेगा। शिविर में सुविधा देने के लिए दिव्यांगता वार पृथक-पृथक पंजीयन काउंटर की व्यवस्था की गयी है, जिसके बाद मरीज संबंधित चिकित्सक के पास पहुँच अपना उपचार करा रहे हैं। शिविर में नेत्र रोग, नाक कान गला रोग, अस्थि रोग मनोरोग विशेषज्ञों के द्वारा दिव्यांग जनों की जांच की गई। दिव्यांगजनों का जिला मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाया गया। दिव्यांगजनों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के साथ ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र का नवीनीकरण भी किया गया। शिविर में पहुंचे लोगों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं जैसे दिव्यांग पेंशन, दिव्यांग छात्रवृत्ति, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना, जैसे योजनाओं के बारे में जानकारी देकर लाभ लेने प्रोत्साहित किया गया। उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि इस शिविर में दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण के अतिरिक्त यूडीआईडी पंजीयन, कृत्रिम अंग सहायक उपकरण हेतु आवेदन भी दिया गया। शिविर में लगभग 179 दिव्यांग व्यक्तियों का पंजीयन किया गया। स्थल में ही 97 दिव्यांगओं को प्रमाण-पत्र जारी दिया गया। सहायक उपकरण वितरण में श्रवण यंत्र 13, बैसाखी 2, व्हीलचेयर 3, ट्राय सायकल 1, हेंड स्टिक 18, वॉकर 2 तथा ब्लाइंड स्टिक 7 वितरण किया गया।

मतदान के प्रति दिव्यांगजन ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक : जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत नंदनवार एवं स्वीप नोडल अधिकारी कुमार विश्वरंजन के निर्देशानुसार कुआकोण्डा में आयोजित दिव्यांग शिविर में स्वीप कार्यक्रम के तहत दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। जिन दिव्यांग मतदाताओं का नाम नहीं जुड़ा है उनका मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है। उन्हें मतदान केंद्रों में दी जाने वाली सुविधाएं जैसे रेम्प, पेयजल, बिजली एवं शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध होने की जानकारी भी दी गई।

पार्षदों ने किया शिक्षकों का सम्मान

अशोक जैन की रिपोर्ट

कांकेर- शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर पंचायत नरहरपुर के पेंशनर भवन में शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित गुरुजनो द्वा सर्व प्रथम महान विभूति शिक्षाविद डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई तत्पश्चात् सभी अतिथियों का पार्षद मुकेश संचेती भागवत शोरी व विजयेंद्र शुक्ला हेमंत साहू पुष्कर सिन्हा दीपक यादव संतोष भास्कर तरुण निषाद ने तिलक लगाकर स्वागत किया इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक श्री जागेशवर शोरी ने अपनी बात रखते हुए कहा की समाज में शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रहती है वही श्री नेकराम सिन्हा ने शिक्षाविद डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की ऐसे महान विभूति की जयंती को हम सभी शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं वही उद्बोधन की कड़ी में वरिष्ठ शिक्षिका व प्राचार्य श्रीमती अलका शर्मा ने कहा कि शिक्षक ही आदर्श समाज का निर्माता होता है तथा बीना शिक्षा समाज का कोई भविष्य नहीं हो सकता इसी कड़ी में श्री बलराम कश्यप ने इस आयोजन के लिए पार्षदों का आभार व्यक्त कर इस परम्परा को सदैव बनाए रखने की बात कही,अतिथि उद्बोधन पश्चात उपस्थित सभी शिक्षकों का आशा राम नेताम जी पंचू राम साहू जी कमलेश ठोकने जी द्वा शाल श्रीफल से सम्मान किया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से सेवा निवृत्त शिक्षक जागेशवर शोरी नेकराम सिन्हा सेवा राम ध्रुव कुशल ध्रुव बलराम कश्यप रोमन लाल सोनबेर बृजलाल नेताम सहीत वरिष्ठ शिक्षक पोखन सिन्हा लेखन साहू राजेंद्र ठाकुर मयाराम जैन कामलाल सोनबेर बीरसींग नेताम आदि उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में मंच संचालन विजयेंद्र शुक्ला एवं स्वागत भाषण पार्षद मुकेश संचेती व आभार व्यक्त संतोष भास्कर ने किया!

सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का पालन सुनिश्चित करें- सांसद श्री मंडावी

अशोक जैन की रिपोर्ट

कांकेर :- लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री मोहन मंडावी की अध्यक्षता में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें केन्द्रीय, राज्य एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों में विभागीय प्रगति की समीक्षा किया गया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। लोक निर्माण विभाग तथा प्रधानमंत्री सड़क योजना द्वारा किये जा रहे सड़कों के निर्माण की समीक्षा करते हुए सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का पालन सुनिश्चित करते हुए समय पर पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। मलाजकुडुम से आमाबेड़ा मार्ग के प्रगति की समीक्षा भी की गई, विभागीय अधिकारी द्वारा उक्त सड़क के निर्माण कार्य दिसम्बर तक पूरा होना बताया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर माकड़ी के पास चिनार नदी में पुल निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी लिया गया तथा अस्थाई पुल (रपटा) को भी मजबूत बनाने के निर्देष दिये गये, ताकि वाहनों का आवाजाही उक्त रपटा से हो सके। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के हैण्डपंप मैकेनिकों का मजदूरी भुगतान अविलंब करने के लिए भी निर्देषित किया गया। जिले के सभी छात्रावास-आश्रमों को गौठानों से मैपिंग करने के निर्देष दिये गये, ताकि गौठानों से छात्रावास-आश्रम एवं स्कूली बच्चों को ताजी हरी सब्जी उपलब्ध कराया जा सके। जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी निर्देषित किया गया।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत मंडल, जल संसाधन, षिक्षा विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी, महिला बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों में प्रगति की समीक्षा किया गया। बताया गया कि मनरेगा के अंतर्गत जिले को 43 लाख मानव दिवस रोजगार सृजन करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरूद्ध अब तक लगभग 28 लाख मानव दिवस सृ जित किया जा चुका है। जिले में 128 बीसी सखी कार्य कर रहे हैं, जिनके माध्यम से लगभग 02 करोड 50 लाख रूपये का भुगतान विभिन्न हितग्राहियों को किया जा चुका है। प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2016 से 2019 तक 18 हजार 580 आवास स्वीकृत किये गये हैं, जिनमें से अधिकांश पूर्ण हो चुके हैं। वर्ष 2020 से अब तक 10 हजार 631 आवास स्वीकृत किये गये हैं जो प्रगतिरत है। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पूरे छत्तीसगढ़ में कांकेर जिले में सर्वाधिक आयुष्मान कार्ड जारी किये गये हैं तथा 01 लाख 29 हजार लोगों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से लगभग 85 करोड़ रूपये के नि:शुल्क ईलाज की सुविधा प्राप्त हुई है। शासकीय कोमलदेव जिला चिकित्सालय कांकेर में एमआरआई मषीन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चारामा में अब सोनोग्राफी तथा सिजेरियन की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। षिक्षा विभाग की समीक्षा में बताया गया कि कक्षा पहली से 10वीं तक अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक तथा कक्षा पहली से 8वीं तक अध्ययनरत बच्चों को दो जोड़ी गणवेष नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया है। राज्य शासन द्वारा जिले के माध्यमिक विद्यालयों में 02 हजार 500 शिक्षक एवं 21 व्याख्याता पदस्थ किये गये हैं तथा सहायक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की भी समीक्षा किया गया। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बैठक में जो भी निर्देश दिये गये हैं, उन्हें सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जावे। इस अवसर पर जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री हेमंत ध्रुव एवं सदस्य जनपद अध्यक्ष कांकेर रामचरण कोर्राम, जनपद अध्यक्ष नरहरपुर श्रीमती संजूलता नेताम, श्रीमती धीरज नेताम, विधायक प्रतिनिधि सुनील गोस्वामी, विद्यासागर ध्रुव, कमलेश उसेण्डी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

भारत जोड़ो यात्रा ने देश को संदेश देने में सफल नफरत छोड़ो भारत जोड़ो

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा देशवासियों के जख्मो पर मरहम

जिला अध्यक्ष अवधेश गौतम ने ली प्रेसवार्ता

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) हम सब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की कल वर्षगांठ मनाएंगे। देश के वर्तमान देश के वर्तमान हालात में जब क्षेत्रीयता धर्म सांप्रदायिकता के नाम पर देश की सत्ता में बैठे हुए लोग राजनीति कर रहे हैं वैसे में कांग्रेस कि भारत जोड़ो यात्रा देश के लोगों के सामने एक नई उम्मीद लेकर सामने आई थी। जब देश चलाने वाली दाल सट्टा देश और खूब मरण आम आदमी की जरूर शिक्षा, रोजगार को परिदृश्य पीछे पीछे धकेल कर धार्मिक आधार पर धूव्रीकरण की राजनीति को बढ़ावा दे रहे हो तब उसे समय कांग्रेस जैसी जन सरोकारी वाली पार्टी का या नैतिक और राजनीतिक कर्तव्य हों जाता है कि वहां देश को बचाने देश की एकता और अखंडता को बचाने के लिए भारत जोड़ो जैसा महाअभियान चलाए भारत जोड़ो यात्रा का सही उद्देश्य था।

पिछले साल पिछले साल 7 सितंबर 2022 को हमारे नेता राहुल गांधी ने ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी जो भारत की किसी भी राजनेता द्वारा अब तक की सबसे लंबी या पदयात्रा है। 40,81 किलोमीटर 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों 75 जिलों और चैप्टर लोकसभा क्षेत्र की 336 दिनों की पदयात्रा ने लोगों के मन पर एक अमित छाप छोडी है 7 लाखों लोग प्रेम और एकता के साथ गर्म समुदाय जाती आदि की परवाह किए बिना हर भारतीय को एकजुट करने की राहुल की अटूट भावना से मंत्र मंत्र मुक्त थे उनके यहां विचारशील पहला समय की मांगती जिसने मूल रूप से हमारे देश में राजनीति की दिशा बदल दी विशेष रूप से यात्रा के बाद कर्नाटक का चुनाव परिणाम कांग्रेस पार्टी को सत्ता में वापस लाने की लोगों की सामूहिक पिक्चर की एक उत्कृष्ट अभिव्यक्ति थी।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा देशवासियों के जख्मों पर मोहर्रम कीजिन राज्यों से यहां यात्रा गुजरी वहां के नागरिकों ने महंगाई बेरोजगारी भुखमरी किसने की जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के द्वारा चले जा रही मुहिम को पूरा समर्थन दिया लोग राहुल गांधी से मिलने के लिए भूत वाले रहते थे हजारों लोग पैदल चलते तथा रास्ते में घरों की छत पर खड़े होकर स्वागत करने के करने को तत्पर रहते थे यहां राहुल गांधी और कांग्रेस की प्रति लोगों की प्यार और सम्पन की अभिव्यक्ति थी।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान देशभर में राहुल ने 100 से अधिक बैठक समूह बातचीत 275 योजनाबद्ध पैदल बातचीत 100 छोटा भाषण 13 विशाल सार्वजनिक सभाए 12 प्रेस कांफ्रेंस और अनगिनत आम बैठकों के माध्यम से हमारे करोड़ों साथी देशवासियों के साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान और साझा किया था। यात्रा ने देश के जवलंत मुद्दों को संबंधित किया जिनमें कमर तोड़ महंगाई अभूतपूर्व बेरोजगारी,

भाईचारा विभाजनकारी राजनीति चीनी आक्रामकता से राष्ट्रीय सुरक्षा को कटरा शामिल है भारत के विचार को बचाने के लिए राहुल का डरे और दिन संकल्प भाजपा को पहचान कर रहा है और लोकतंत्र की भावना को बहाल कर रहा है हमारा आंदोलन विश्वास है की यात्रा का यहां प्रभाव आगामी सभी राज्य स्त्री और केंद्र चावन पर अपना प्रभाव दिखाना जारी रखेगा और हमारी सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी के गौरव को बहाल करने का मार्ग पर प्रशस्त करेगा।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से देश के नाम आदमी की समस्याओं को आवाज दिया है देश में बढ़ती महंगाई बेरोजगारी किसने की समस्या सामाजिक विमान कोड के खिलाफ देश की जनता में जन्म जागरण पैदा किया भारत छोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक भारत के जैन मठ में बच गई है सारा भारत अपनी तकलीफों के निदान को लेकर एकजुट हो गया है भारत जोड़ो यात्रा देश के लोगों में उम्मीद की नई किरण पैदा हुई है भारत राहुल गांधी प्रेम उम्मीद और सद्भावना के नए बीज होते चल रहे थे देश की जनता राहुल गांधी की पदयात्रा को हाथों हाथ लिया था। राहुल गांधी की राहुल गांधी की पदयात्रा से विगटनकारी ताकतों के हौसले पस्त हुए हैं। देश के लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है कि आराचक तत्व भारत की अनेकता में एकता के मूल मंत्र के सामने घुटना देखने को विवश हुए हैं ।यहां राहुल गांधी की यात्रा की बड़ी सफलता है।

देश की एकता देश की एकता अखंडता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस प्रतिबंध है जनाधिकार की लड़ाई लड़ने के लिए कांग्रेस पार्टी आजादी के पहले से ही सत्याग्रह को एक मजबूत हथियार मानती है और भारत जोड़ो पदयात्रा आजादी के बाद देश का सबसे विशाल और परिवर्तन सत्याग्रह साबित हुआ राष्ट्रपति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने देश में सत्याग्रह के द्वारा जनता के महत्वपूर्ण फसलों को हल किया है यहां सत्याग्रह उसे विचारधारा को उखाड़ देगा जो मृत्यु के समय भी राम का नाम लेने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे को आदर्श मानता है आज बर्बादी और वूमेन सीता की ओर बढ़ते देश को भारत जोड़ो पदयात्रा की जरूरत है।

भारत जोड़ो यात्रा का ही परिणाम है कि देश में नफरत के भाव खत्म हुए हैं मांब लॉन्चिंग जैसी घटनाएं रुकी है रसोई गैस के दाम कम करने मजबूत हुई किसान, युवा, माता ,बहने, पत्रकार मोदी सरकार के जन विरोधी नीतियों के खिलाफसीना ठोकर कर खड़े हुए हैं। डर, भय, का वातावरण खत्म हुआ हैं। इस पत्रकार वार्ता में, महामंत्री मनीष भट्टाचार्य, महामंत्री विमल सलाम, अजय मरकाम, किरण जयसवाल, जया भास्कर, आशिप रजा उपस्थित थे।

आठे कन्हैया तिहार

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के गाड़ा-गाड़ा बधाई

पारंपरिक व जीवन उपयोगी वृक्षों से
पर्यावरण संरक्षण

श्री कृष्ण कुंज

छत्तीसगढ़ कृष्ण कुंज

169 नगरीय निकायों में
224 एकड़ भूमि पर विकसित
60 हजार वृक्ष रोपित

श्री कृष्ण कुंज में

फूल रहे, नीम, इमली, शहतूत, तेंदू, कैंथा, अनार
बेर, आंवला, जामुन, चिरौंजी, चन्दन ले रहे आकार
बरगद, पीपल, कदंब पर घोंसला बनाने चिड़ियां हैं तैयार

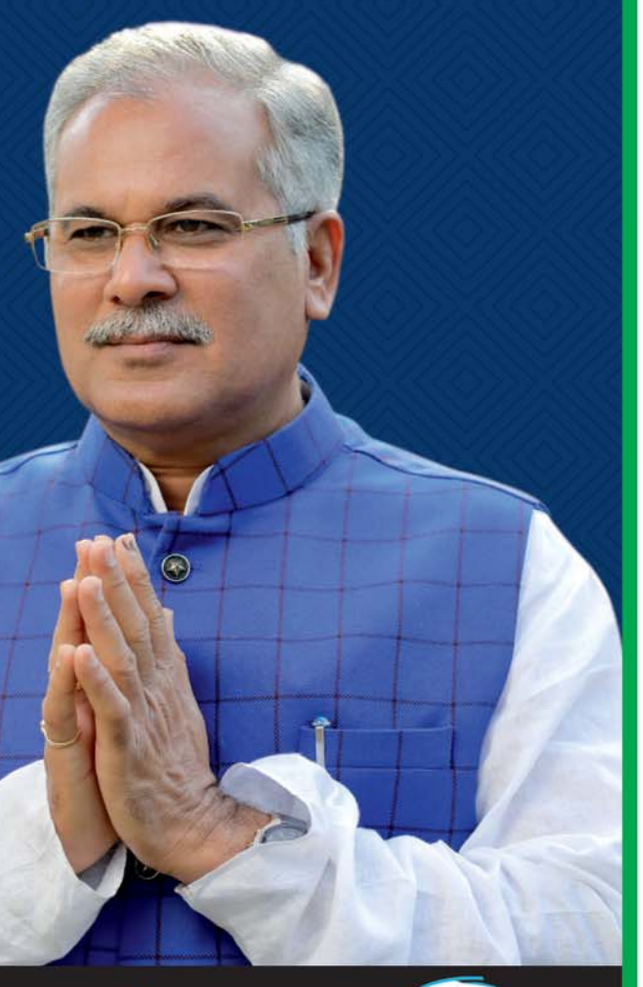

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक–संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग–मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग –मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:–9301031000, 0771–6556444 bharatbhaskar222@gmail.com